



KEDIA
सेजस्थान
KOTHI & WALK-UP APARTMENT
अजमेर रोड, जयपुर

www.rera.rajasthan.gov.in
RERA No. RAJ/P/2023/2387



आज रात से 5 लाख रेट बढ़ेगी !

“मंडी” जैसे दाम
लकजरी
आपके नाम



लकजरी की कीमत : ₹4200/- मेंफ्लैट ! | ₹5400/- मेंकोठी !

PRODUCT TYPE	UNIT TYPE	SIZE	PRESENT RATE	31 JULY 2026	31 AUG. 2026	30 SEPT. 2026	31 OCT. 2026	30 NOV. 2026	30 DEC. 2026
WALK-UP APARTMENT	2 BHK (GF)	1350 Sq Ft	68 Lacs	70 Lacs	72 Lacs	74 Lacs	76 Lacs	78 Lacs	80 Lacs
	3 BHK (SF)	1900 Sq Ft	78 Lacs	80 Lacs	82 Lacs	84 Lacs	86 Lacs	88 Lacs	90 Lacs
	3 BHK (FF)	1900 Sq Ft	85 Lacs	87.5 Lacs	90 Lacs	92.5 Lacs	95 Lacs	97.5 Lacs	1 Cr
KOTHI	3 BHK BIG	2000 Sq Ft	1.10 Cr	1.125 Cr	1.15 Cr	1.175 Cr	1.20 Cr	1.225 Cr	1.25 Cr
	4 BHK BIGGER	2325 Sq Ft	1.32 Cr	1.35 Cr	1.38 Cr	1.41 Cr	1.44 Cr	1.47 Cr	1.50 Cr
	4 BHK BIGGEST	3200 Sq Ft	1.70 Cr	1.75 Cr	1.80 Cr	1.85 Cr	1.90 Cr	1.95 Cr	2 Cr

FIXED PRICE

NO MIDDLE MEN

KEDIA®

1800-120-2323

info@kedia.com
www.kedia.com
78770-72737



SCAN QR FOR
• LOCATION
• ROUTE MAP
• SITE 360 TOUR
• E-BROCHURE
• WALKTHROUGH

KEDIA™
Pavitra



पहले सरसों के तेल की झाँझ से आँखों में आँसू आ जाते थे... अब क्यों नहीं? आखिर बदला क्या है... सरसों का तेल या हमारी नाक ?

नानी-दादी के ज़माने की वही 0.36 की तेज़ प्राकृतिक झाँझ अब केडिया पवित्र कच्ची घानी सरसों के तेल में !

कोल्ड प्रेस

पहली धार से निर्मित
उच्च गुणवत्ता वाला
कच्ची घानी तेल

तेज झाँझ
(0.36 झाँझ)

कच्ची घानी सरसों तेल

MRP ₹4000.00
15 ltr

MRP ₹300.00
1 ltr

द्विपल फ़िल्टर्ड मूंगफली तेल

MRP ₹4000.00
15 ltr

MRP ₹300.00
1 ltr

द्विपल फ़िल्टर्ड

सोर्टेक्स क्लीन
मूंगफली दानों
से निर्मित

Low FFA
(0.50 से कम)

प्रोडक्ट्स कैटेगरी

आटा | गेहूँ | दाल | चावल | खड़े, पीसे एवं ब्लेंडेड मसाले | ड्राई फ्रूट्स | कुकिंग ऑयल | चाय | पोहा | मिश्री | गुड़ | हींग | मसाला सत्तू | सेंधा नमक सहित कम्प्लीट किचन बाल्केट

कॉल लगाओ, गाड़ी बुलाओ

1800 120 2727

अपने नजदीकी रिटेलर और
Zepto पर उपलब्ध !

ORDER ON WEBSITE



ORDER ON WHATSAPP



ORDER ON APP



ORDER ON ZEPTO



T&C Apply*
MRP ₹ Incl. of all taxes

विचार बिन्दु

रूप की पहुँच आँखों तक है, गुण आत्मा को जीतते हैं। –पोप

राजस्थान में ट्रैफिक जाम नासूर बन रहा है

राजस्थान, जो अपनी समृद्ध संस्कृति, ऐतिहासिक धरोहर और रंगीन जीवनशैली के लिए जाना जाता है, आज एक गंभीर समस्या से जूझ रहा है। शहरी और ग्रामीण मार्गों पर बढ़ता ट्रैफिक जामा पहले जहाँ सड़क यात्रा अपेक्षाकृत सुगम और त्वरित मानी जाती थी, अब यातायात जाम इतनी आम बात हो चुकी है कि यह न केवल समय की बर्बादी बन गया है बल्कि यह आर्थिक क्षति, पर्यावरण प्रदूषण और जीवन की गुणवत्ता में गिरावट का कारण भी बन रहा है। यह समस्या केवल बड़े शहरों तक सीमित नहीं रही; छोटे शहर, कस्बे और प्रमुख पर्यटन मार्ग भी इससे प्रभावित हैं। राजस्थान के विभिन्न हिस्सों में बढ़ते वाहन, अव्यवस्थित पार्किंग, संकरे मार्ग, सार्वजनिक परिवहन की कमी और अनुचित ट्रैफिक प्रबंधन ने जाम को नासूर का रूप दे दिया है। इसे गंभीरता से लिया जाना चाहिए क्योंकि इसका प्रभाव केवल यात्रा तक सीमित नहीं है। स्वास्थ्य, व्यवसाय और सामाजिक गतिशीलता भी प्रभावित हो रही हैं।

ट्रैफिक जाम का सबसे प्रत्यक्ष प्रभाव समय की हानि है। प्रतिदिन कार्यस्थल, विद्यालय, अस्पताल तक पहुंचने में लोग घंटों फंसे हैं। यह समय हानि व्यक्तिगत उत्पादकता को कम करती है और कार्यालय, दुकानें, और सेवाओं के संचालन को बाधित करती है। खासकर कामकाजी वर्ग और छोटे व्यवसायियों के लिए यह नुकसान सीधे आर्थिक घाटे में बदल जाता है। ट्रैफिक जाम के कारण उपलब्ध समय में कटौती से परिवारिक जीवन और सामाजिक गतिविधियों पर भी विपरीत प्रभाव पड़ता है। लोग थके हुए और तनावग्रस्त होकर घर पहुंचते हैं, जिससे पारिवारिक मेलजोल दू-धालीव हो जाता है।

आर्थिक दृष्टि से भी जाम गंभीर समस्या है। ईंधन की बर्बादी, माल ढुलाई में देरी, और समय पर सेवाओं के न मिलने से व्यापारिक लाभात बढ़ जाती है। परिवहन-लॉजिस्टिक्स पर निर्भर उद्योगों में डिलीवरी-समय का अनियंत्रित बढ़ना आपूर्ति श्रृंखलाओं को प्रभावित करता है। छोटे व्यापार जो ताजा सामान (फल, सब्जी, दूध) पर निर्भर करते हैं, उन्हें नुकसान होता है क्योंकि समय पर डिलीवरी न होने से माल खराब हो सकता है। इसके अलावा, जाम के कारण सार्वजनिक परिवहन की विवशसनीयता घटती है और लोग निजी वाहनों का उपयोग बढ़ा देते हैं, जिससे समस्या और जटिल होती जा रही है।

पर्यावरण और स्वास्थ्य पर भी ट्रैफिक जाम का बुरा असर होता है। लंबी अवधि तक चलने वाली देरी वाहन उत्सर्जन को बढ़ाती है कारों और दोपहिया वाहनों का इंजन खराबी के साथ चलते रहने पर हवा में सल्फर, नाइट्रोजन ऑक्साइड और सूक्ष्म कण (2.5, 10) का स्तर बढ़ता है। यह न केवल शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में वायु प्रदूषण को तीव्र करता है बल्कि श्वसन रोगों, हृदय-सम्बंधी समस्याओं और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं में वृद्धि करती है। राजस्थान जैसे सुखाग्रस्त और शुष्क वातावरण वाले स्थानों पर वायु गुणवत्ता का और बिगड़ना सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिये चिंता का विषय है।

ट्रैफिक जाम की चूड़ कई कारणों में निहित हैं। सबसे महत्वपूर्ण कारणों में बढ़ती आबादी और वाहन संख्या है। पिछले दशक में निजी वाहनों, विशेषकर टू-व्हीलर और छोटे कारों की उपलब्धता और खरीद शक्ति में वृद्धि ने सड़कों पर दबाव बढ़ा दिया है। साथ ही शहरीकरण के कारण लोग शहरों की ओर प्रवास कर रहे हैं; नतीजतन आवासीय और व्यावसायिक क्षेत्र सघन हो रहे हैं जबकि सड़कों का विस्तार उसी अनुपात में नहीं हुआ। पुराने शहर नियोजन, संकरे पुराने मार्ग और एक विकास के लिए पर्याप्त सड़क-नेटवर्क न होना भी बड़ा कारण है।

सार्वजनिक परिवहन की अप्रत्यक्षता और असुविधा राजस्थान के कई शहरों में बस-सेवा अव्यवस्थित या अपर्याप्त है समय-सारिणी, आवृत्ति और मार्गों की योजना प्रभावी नहीं है। लोग समय की पाबंदी और सुविधा के कारण निजी वाहन चुनते हैं। तीसरा कारण पार्किंग की कमी और अवैध पार्किंग है। व्यापारिक क्षेत्रों और बाजारों में वाहन अक्सर सड़कों के किनारे खड़े रहते हैं, जिससे गति कम होती है और मार्ग संकरे हो जाते हैं। सड़क संरचना और सिग्नलिंग की कमी है, कई जगहों पर जंक्शन और चौराहों पर उचित ट्रैफिक सिग्नल, लेन मार्किंग और मोड़ के लिए अस्थायी जगह नहीं है। कुछ स्थानों पर लोकल मार्केट, स्कूल और सरकारी दफ्तारों के सामने सड़कें छोटी पड़ जाती हैं, जो जाम को आम बनाती हैं।

पर्यावरण और स्वास्थ्य पर भी ट्रैफिक जाम का बुरा असर होता है। लंबी अवधि तक चलने वाली देरी वाहन उत्सर्जन को बढ़ाती है कारों और दोपहिया वाहनों का इंजन खराबी के साथ चलते रहने पर हवा में सल्फर, नाइट्रोजन ऑक्साइड और सूक्ष्म कण (2.5, 10) का स्तर बढ़ता है। यह न केवल शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में वायु प्रदूषण को तीव्र करता है बल्कि श्वसन रोगों, हृदय-सम्बंधी समस्याओं और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं में वृद्धि करती है।

करना होगा। इसमें प्रमुख शहरों में स्मार्ट ट्रैफिक सिग्नल, बेहतर लेन-डिजाइन, फ्लाईओवर, रिंग रोड और सड़कों का चौड़ीकरण शामिल है। परन्तु केवल सड़कों का चौड़ीकरण पर्याप्त नहीं है; दीर्घकालिक योजना में सार्वजनिक परिवहन का सशक्तिकरण आवश्यक है। अपने-आप में बेहतर बस-नेटवर्क, बीआरटी (बस रैपिड ट्रांज़िट) जैसे विकल्प, और इंटरसिटी कनेक्टिविटी सुधार कर निजी वाहन पर निर्भरता कम की जा सकती है।

मजबूत और धरोसेमंद सार्वजनिक परिवहन के साथ-साथ पार्क-रैड-राइड सुविधाएँ, साइकिल लेन और पैदल चलने वालों के लिए सुरक्षित फुटपाथ विकसित करने चाहिए। छोटे शहरों और कस्बों में भी साइकिल तथा ऑटो-रिक्शा जैसे लास्ट-माइल विकल्पों को व्यवस्थित करने से हालात सुधर सकते हैं। पार्किंग प्रबंधन के लिये डिजिटल प्रणालियाँ, स्मार्ट पार्किंग और पार्किंग सुधार का विवेकपूर्ण उपयोग व्यवहार बदल सकता है, जिससे सड़क किनारे पार्किंग में कमी आएगी और मार्ग खुलेगें।

ट्रैफिक नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के लिये ई-निगरानी और एनफोर्समेंट जरूरी है। सीटीडीबी, रेड-लाइट कैमरा, और चालान-आधारित दंड व्यवस्था से नियमों के उल्लंघन पर तुरंत कार्रवाई हो सकती है। इसके साथ ही स्थानीय प्रशासन को सड़क निर्माण या मरम्मत के दौरान वैकल्पिक मार्ग और सुव्यवस्थित सूचना देनी चाहिए ताकि नागरिक पूर्व तैयारी कर सकें। न केवल दंड व्यवस्था, बल्कि जागरूकता अभियानों से नागरिकों की सोच बदलना जरूरी है, स्कूलों, कॉलेजों और सामाजिक संगठनों के माध्यम से सुरक्षित और व्यवस्थित ड्राइविंग की शिक्षा दी जाए।

टेक्नोलॉजी का उपयोग भी अहम भूमिका निभा सकता है। स्मार्ट सिटी पहल के तहत ट्रैफिक डेटा का विश्लेषण कर समायुक्तूल ट्रैफिक नियंत्रण, रियल-टाइम सूचना और यातायात के वैकल्पिक मार्ग सुझाए जा सकते हैं। मोबाइल ऐप्स और नेविगेशन सेवा प्रदाताओं के साथ तालमेल करके ड्राइवरों को जाम से बचने के उपाय सुझाए जा सकते हैं। इलेक्ट्रिक वाहन अपनाने को बढ़ावा देने से प्रदूषण में कमी आएगी, परंतु इसके साथ चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर और नियोजन भी आवश्यक है ताकि नए वाहन और चार्जिंग स्टेशन ट्रैफिक का नया बोझ न बनें।

नियोजन और नीतिगत स्तर पर जरूरी है कि विकास योजनाएँ क्षेत्रीय और समन्वित हों। भूमि उपयोग नीति, आवासीय और वाणिज्यिक विकास, और परिवहन योजनाएँ आपस में जुड़ी रहें। शहरों के वृद्धि मानचित्रों और ट्रैफिक प्रक्षेपणों के आधार पर रोड नेटवर्क और सार्वजनिक परिवहन का पूर्व-निर्धारण करने से भविष्य में होने वाली जाम की गंभीरता घटाई जा सकती है। इसके लिए पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप के जरिए निवेश, और राज्य सरकार के महत्वाकांक्षी परिवहन योजनाओं को तेजी से लागू करना आवश्यक है।

समाज की भूमिका भी अन्देखा नहीं किया जा सकता। नागरिक समन्वय समितियाँ, व्यापार संघ और स्कूल-स्तर पर समय सारिणी समायोजन (जैसे स्कूल शुरू होने के समये में फेरबदल) जैसे स्थानीय कदम भी जाम को कम कर सकते हैं। त्यौहार और बड़ी सार्वजनिक गतिविधियों के समय ट्रैफिक मैनेजमेंट के लिये विशेष टीमें और स्वयंसेवकों का उपयोग प्रभावी परिणाम दे सकता है। स्थानीय मीडिया और विज्ञापन के माध्यम से जागरूकता फैलाने से नागरिकों में अनुचित पार्किंग और गैरकानूनी ड्राइविंग के रूप में सामाजिक दंड बन सकता है।

राजस्थान के ट्रैफिक जाम का निवारण केवल तकनीकी और वित्तीय उपायों तक सीमित नहीं है। यह सामाजिक व्यवहार में बदलाव, नीतिगत दृढ़ता और दीर्घकालिक योजना का संघर्ष मांगता है। जब तक हम सार्वजनिक परिवहन को विवशसनीय और सुविधाजनक नहीं बनाएंगे, तब तक निजी वाहनों की बढ़ती संख्या और उसके परिणाम बने रहेंगे। इसी तरह, जब तक नागरिक नियमों का सम्मान करना और साझा समाधान अपनाना नहीं सीखेंगे, तब तक छोटे-छोटे उपाय भी स्थायी प्रभाव नहीं डाल पाएंगे।

ट्रैफिक जाम को नासूर मानकर हल करना तभी संभव है जब राज्य सरकार, नगर निगम, नागरिक समाज और निजी क्षेत्र मिलकर एक समग्र दृष्टि के साथ कार्य करें। रोड इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश, स्मार्ट ट्रैफिक मैनेजमेंट, सस्ती और धरोसेमंद सार्वजनिक परिवहन तथा नागरिक जागरूकता ये चार स्तम्भ मिलकर ही इस समस्या को जड़ से मिटा सकते हैं। यदि आम हम सक्षम रूप से कदम नहीं उठाएंगे, तो आने वाले वर्षों में बढ़ती आबादी, यात्री और वाहन राजस्थान की सड़कों को और अधिक घुटनपूरन बना देंगे। इसलिए समय रहते योजनाबद्ध, समन्वित और टिकाऊ उपाय अपनाना अब प्राथमिकता होनी चाहिए।

—अतिथि संपादक,

अविनाश जोशी,

वरिष्ठ पत्रकार एवं कॉर्पोरेट सलाहकार



प्रो. डॉ. राजीव सक्सेना

कहानियों के मील का पत्थर भीष्म पितामह, पुरोधा, महा झ्रमर, सुमेरू पर्वत, जामवन्त, कायस्थ-कुल गौरव रत्न, हिन्दी व उर्दु भाषा के शेक्सपीयर व जन्मजात प्रतिभा युक्त मुंशी प्रेमचन्द जी, जो कि महानतम कहानीकार व उपन्यास सम्राट तथा एक महाकवि थे। सीधी सादी गंभीर बेलौस बेमरुव्वत व बेमोहब्बत, प्रभावी शकल के मालिक जिनका नाम धनपत राय भी था, जो कि बिल्कुल गंवई, कस्बाई, भुच्च शकल व सांवले रंग के मालिक, जो सामान्यत बंद गाढ़े का कुर्ता पजामा तथा चमरीबीं जुता पहन्ते थे जो चर्च-चर्च की आवाज करते थे, एक अलग ही शख्सियत, व्यक्तित्व था, जो कि लोगों पर आसानी से हावी हो जाता था। मुंशी जी 31 जुलाई, 1880 को वाराणसी के लमही गाँव में जन्मे थे। परमादरणीय व अति सम्माननीय मुंशी जी को लेखनी हिन्दी व उर्दु दोनों भाषाओं में लाजवाब थी, त्वरित व समान चलती थी व आज भी एक वैश्विक व अन्तराष्ट्रीय पहचान बनी हुई है।

प्रेमचन्दजी ने समकालिन व सामयिक व यथार्थ परख जमीनी दुनिया से जुड़े हुए विषयों पर लगभग 300 से ज्यादा कहानियाँ लिखी व 15 के आसपास उपन्यास, 10 अनुवाद, 7

कहानियों के लेखन उपन्यासों और कहानियों को देखकर उन्हें ‘उपन्यास सम्राट’ की उपाधि दी थी। इसलिए ‘उपन्यास सम्राट’ मुंशी प्रेमचंद पर बहुत कुछ लिखा जा सकता है। अतः संक्षेप में, साहित्य को समाज का दर्पण बताते हुवे कथा सम्राट मुंशी प्रेमचंद जी ने जैसा बताया उसका निचोड़ इस प्रकार है –

1 साहित्य समाज को अपने किये हुए कार्य को सही आइना दिखाने का काम करता है।

2 साहित्य समाज को अन्धकार से प्रकाश की ओर ले जाता है।

3 भटकरे हुए समाज को सही दिशा दिखाता है अर्थात हम कहें है और कहाँ तक दूरी तय करनी है।

4 साहित्य में सबका हित



गोवर्धन दास बिन्नपुरी

बंगाल के प्रसिद्ध साहित्यकार शरतचन्द्र चट्टोपाध्यायजी ने मुंशी



प्रो .कैलाश सोडान्पी

हजारों वर्षों से भारत एक कृषि प्रधान देश रहा है। शुद्ध प्राकृतिक पद्धति के माध्यम से ही देश ने कृषि के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभाई है। जैविक कृषि ही भारत की पहचान रही है। जिस भूमि पर हमें वर्षों-वर्षों तक खेती करना है, अतः उसके उपजाऊवन को जीवित रखना हमारा प्राथमिक कर्तव्य है।

उत्पादित होने वाली खाद्य सामग्री को उपभोग करने वाले मनुष्य एवं जानवर दोनों के स्वास्थ्य के अनुकूल होना भी आवश्यक है। साथ ही पर्यावरण की पवित्रता भी बनी रहनी

चाहिये। इसी जैविक खेती के आधार पर कभी भारत आर्थिक दृष्टि से दुनिया में समृद्ध देश था। पिछले 50-60 वर्षों में कृषि उत्पादन की मात्रा को तेजी से बढ़ाने के भंवरजाल में रासायनिक खादों का उपयोग बेहिसाब बढ़ गया। प्रारम्भ में उत्पादन अभिवृद्धि से किसान की आय में भी इजाफा होने लगा। वैसे यह अल्पकालीन था। तत्कालीन समय देश अनाज एवं अन्य खाद्य पदार्थों के अभावको भी झेल रहा था। ऐसे समय में स्वयं किसान एवं देश को येन-केन प्रकार से कृषिजन्य खाद्य पदार्थों के उत्पादन की मात्रा में अभिवृद्धि आवश्यक लग रही थी। अनाज की कमी से पीड़ित भारत को आयात पर निर्भर रहना पड़ रहा था। परिस्थितियाँ इस प्रकार की थी कि रासायनिक खादों के उपयोग से खाद्य उत्पादन में अभिवृद्धि आवश्यक थी। फिर धीरे धीरे रासायनिक खाद हर खेत की आवश्यकता हो गयी। उत्पादन में वृद्धि सभी को अच्छी लगने लगी।

इस खेल में हमारे देश में विकसित होती हुई पाश्चात्य सोच की भूमिका भी जिम्मेदार है। इसी सोच

व कवि भी थे। उर्दू भाषा में वो नवाबराय के नाम से लिखते थे। उन्होंने हिन्दी कहानियों, उपन्यास, रचनाओं व हिन्दी साहित्य को नये विविधा विविध बहु आयाम दिये। 1923 में उन्होंने सरस्वती प्रेस की स्थापना की व 1930 में ‘हंस पत्रिका’ का प्रकाशन शुरू किया। साथ ही साथ कई प्रतिष्ठित पत्रिकाओं का संपादन भी किया, उनमें प्रमुखतः— ‘हंस, जागरण, मर्यादा तथा माधुरी’ जैसी पत्रिकाएँ भी थी।

लगभग 300 से ज्यादा लिखी कहानियों में आम आदमी की लिज लिजी चुन्दरी, गरीबी-अमीरी व उनकी जिन्न, घुटन, प्रतिशोध, कसक, अंधविश्वास, दंग व धमड़ तथा रूढ़िवादी परंपराओं पर भरपूर प्रहार किया व हरेक जन व पाठकों को सोचने पर मजबूर किया। साथ ही साथ मानवीय मूल्यों की भी सहेज कर रखा जो उनकी कहानियों में स्प-नवजयट परिलक्षित व प्रभावी होते दिखते है।

1910 की घटना के बाद उनके परम मित्र दया नारायण निगम जो कि जमाना’ अखबार के संपादक थे, उन्होंने, उन्हें प्रेमचन्द नाम से लिखने की सलाह दी तब उन्होंने नवाबराय नाम के बजाय प्रेमचन्द नाम से लिखना शुरू किया।

20वीं सदी के भारत में 1935 तक, उस दौरान जातिवाद, छुआछूत, संकीर्णता की भावना, साम्प्रदायिक संकीर्णता, ऊँच-नीच का भेदभाव, गरीबों मजदूरों व श्रमिको का शोषण तो चलता ही था तथा इन सबसे अलग व विशेषकर महिलाओं को हेय व हीनदृष्टि से देखना अपने सर्वोच्चतम शिखर पर था। उस समय अंग्रेजों व फ्रिरीयों के राज मे अंग्रेज लोग यही सोचते थेकि साहित्य लिखना, समझना व पढ़ना सिर्फ अंग्रेजों को ही आता है या उन्ही का ये सर्वसिद्ध अधिकार है। इस विषम काल में एक आवाज व लेखनी प्रेमचन्द जी के रूप में ऐसी

मुंशी प्रेमचंद - फटे जूते और फकीराना

प्रेमचंद जी के बेहतरीन उपन्यासों और कहानियों को देखकर उन्हें ‘उपन्यास सम्राट’ की उपाधि दी थी। इसलिए ‘उपन्यास सम्राट’ मुंशी प्रेमचंद पर बहुत कुछ लिखा जा सकता है। अतः संक्षेप में, साहित्य को समाज का दर्पण बताते हुवे कथा सम्राट मुंशी प्रेमचंद जी ने जैसा बताया उसका निचोड़ इस प्रकार है –

1 साहित्य समाज को अपने किये हुए कार्य को सही आइना दिखाने का काम करता है।

2 साहित्य समाज को अन्धकार से प्रकाश की ओर ले जाता है।

3 भटकरे हुए समाज को सही दिशा दिखाता है अर्थात हम कहें है और कहाँ तक दूरी तय करनी है।

4 साहित्य में सबका हित



समाहित रहता है। जिसका मतलब है साहित्य में सभ्य और संस्कारी

निकली, जिसकी गूंज आज तक गूंज रही है, लिखी व बोली जिन्होंने पूरे अंग्रेजी राज के साहित्यकारों व लेखकों को हिन्दी में अपनी कहानियां व उपन्यास लिखकर संपूर्ण टक्कर दी व उन्हें सोचने, विचारने पर मजबूर किया।

‘पंच परमेश्वर’ कहानी में जुम्मन शेख व अलगू चौधरी के माध्यम से सत्य अंहिसा व इंसाफ की जीत को दिखाया ना कि दोस्ती के पक्षपात को। नाटक ‘कर्बला’ में हिन्दू-मुस्लिम शक्ति व एकाता का संदेश दिया। प्रेमचन्द जी ने ‘निर्मला’ उपन्यास में विधवा विवाह का समर्थन किया तो उन्होंने उसे अपने जीवन में उतारा तथा स्वयं का विवाह शिवरानी देवी (जो कि स्वयं एक बाल विधवा थी) से काके व्यवहार में उसे सिद्ध व लागू किया।

उस काल में उन्होंने सम सामयिक विषयों पर व सारी प्रचलित समस्याओं व मान्यताओं को सामने रखकर लिखा। ‘सेवा सदन’ (बाजार-ए-हुस्न), गबन, निर्मला, प्रेमाश्रम, कर्मभूमि, रंगभूमि जैसे अनेकों उपन्यास लिखे, जिनकी आज भी कोई कानि नहीं है।

‘गोदान’ उपन्यास तो पूरे ग्रामीण जीवन व परिवेश तथा रूढ़िवादी प्राचीन परंपराओं को दर्शाता, दिखाता है। उन्होंने सामाजिक कुरुक्तियों, अंधविश्वास व ग्रामीण समस्याओं से निकलकर लोगों को अपनी लेखनी के माध्यम से बताया, समझाया व लोहा मनवाया। प्रेमचन्द जी संभवतः सदी के प्रथम ऐसे रचनाकार व साहित्यकार थे, जिन्होंने उपन्यास, कहानी व कथा लेखन को कपोल-कल्पित कल्पनाओं तथा कल्पनालोक के प्रभाव से निकलकर व लोगों को निकालकर आमजनों को वास्तविकता व जमीनी हकीकतों व विशुद्ध यथार्थ से अवगत करवाया।

उन्होंने सरल, सहज व सामान्य, जन साधारण वेशभूषा का उपयोग किया

कहानी, जिसकी गूंज आज तक गूंज रही है, लिखी व बोली जिन्होंने पूरे अंग्रेजी राज के साहित्यकारों व लेखकों को हिन्दी में अपनी कहानियां व उपन्यास लिखकर संपूर्ण टक्कर दी व उन्हें सोचने, विचारने पर मजबूर किया।

मुंशी प्रेमचंदजी की रचनाएँ सामाजिक यथार्थ को चित्रित करती हैं और उनके कथ्य में न केवल मानवता, नैतिकता और समाज की समस्याएँ प्रमुख रूप में मिलती हैं बल्कि उनहूँके आचरण में भी परिलक्षित हुवे हैं।

उदाहरण के तौर पर आप जब उनका अपनी पत्नी के साथ फोटो को देखते हैं तब पाते हैं कि वे फटे जूते पहने हुये हैं।

इस फोटो को देखकर हिन्दी साहित्य के सबसे महत्वपूर्ण लेखकों में से एक हरिशंकर परसाई जी ने एक लेख लिखा था जिसमें उन्होंने कहा था –

अ “सोचता हूँ-फोटो खिंचवाने

की अगर यह पोशाक है, तो पहनने की कैसी होगी ?”

व नहीं, इस आदमी की अलग-अलग पोशकें नहीं होंगी-इसमें पोशाकें बदलने का गुण नहीं है। यह जैसा है, वैसा ही फोटो में खिंच जाता है।

स यह पोशाक बदल भी नहीं सकता क्योंकि इन्हने भारत की जनता के मर्म को छुआ है इस की पोशाक के पीछे गोदान जैसे महाकाव्य की आदरांजली भी तो है।

अब अन्त में कथा-उपन्यास की दुनिया के सबसे प्रसिद्ध हस्ताक्षर मुंशी प्रेमचंद जी को जन्म – जयन्ती पर श्रद्धा पूर्वक शत-शत नमन करता हूँ ।

गोवर्धन दास बिन्नपुरी

‘राजा बाबू’

जैविक खेती की ओर बढ़ना होगा

के प्रभाव में हम भारतीय परम्पराओं एवं शोध को कमजोर मानने लग गये। तुलनात्मक रूप से पाश्चात्य विचारों को हमारे से प्रभावी मानने के चक्कर में गोबर की खाद को भूलने लग गये। यहीं से भाषा एवं वेशभूषा की भीाँति खेती में भी गलत मार्ग पर आगे बढ़ने लग गये। धीरे-धीरे फसलों के उत्पादन में अभिवृद्धि के साथ-साथ पर्यावरणीय क्षति की कीमत भी चुकानी पड़ने लगी। निरन्तर रासायनिक उपकरणों के उपयोग से भूमि की उपजाऊपन में कमी, पोषक तत्वों के असन्तुलन तथा उत्पादन लात में वृद्धि जैसी समस्याएँ सामने आयीं। ऐसी खाद्य सामग्री व्यक्ति के स्वास्थ्य की दृष्टि से भी अनुकूल नहीं थी। कृषि वैज्ञानिकों के लिए यह चिन्ता एवं शोध का विषय हो गया। कृषि के उत्पादन वृद्धि के लिए रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों के असन्तुलित उपयोग तथा जैविक खेतों के नगण्य प्रयोग के कारण कृषि उत्पादों की गुणवत्ता, मानव स्वास्थ्य तथा पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव के रूप में एक नई समस्या सामने आयी। रासायनिक अवशेषों से युक्त खाद्य पदार्थों के लम्बे समय

तक सेवन से अनेक स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्याएँ सामने आने लगी। पशुओं के स्वास्थ्य की भी प्रतिकूल प्रभाव दिखाई देने लगा।

परिणाम एवं परिस्थितियों के कारण अब लोगों को समझ में आने लग गया कि हमें जैविक खेती की ओर ही बढ़ना होगा। समाज में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता ने भी जैविक कृषि के महत्व को बढ़ा ाया है। उपभोक्ता अधिक कीमत देकर भी जैविक उत्पाद को प्राथमिकता देने लग गये हैं। कम मात्रा में उत्पादन के बावजूद कुल कीमत रासायनिक उर्वरकों से युक्त उत्पादन से अधिक मिलने लग गयी। 2०16 में सिक्किम देश का पहला पूर्ण जैविक राज्य बन गया। राज्य में रासायनिक उर्वरकों एवं रासायनिक कीटनाशकों का उपयोग पूर्णतया समाप्त कर दिया गया। दुनिया के 180 देशों ने जैविक कृषि को अपनाया जा रहा है।

जैविक खेती करने वाले किसानों की संख्या के आधार पर भारत दुनिया में पहले स्थान पर है। क्षेत्रफल के आधार पर दूसरे स्थान पर है। जैविक खाद्य पदार्थों की लोकप्रियता और अधिक बाजार मूल्य के कारण इस

क्षेत्र में लोग धोखाधड़ी करने लग गये हैं। उपभोक्ताओं को सावधान रहना होगा क्योंकि कुछ व्यापारी रासायनिक कृषि उत्पादों को जैविक उत्पाद बताकर अधिक कीमत पर बेच रहे हैं।

इस सम्बन्ध में सरकार के कठोर नियंत्रण की आवश्यकता है। जैविक कृषि को स्याई, स्वास्थ्य-वर्धक एवं पर्यावरण के अनुकूल कृषि प्रणाली माना जाता है, फिर भी दुनिया के अधिकांश देशों में आर्थिक एवं बाजार सम्बन्धी चुनौतियों के कारण रासायनिक कृषि को आज भी प्राथमिकता दी जा रही है। जैविक प्रमाणन की प्रक्रिया भी बड़ी जटिल है। जैविक उत्पाद के क्रय-विक्रय के लिए अलग से मंडियाँ नहीं हैं। किसानों को तकनीकी ज्ञान की जानकारी नहीं है। उपरोक्त समस्याओं के बावजूद समाज को रासायनिक खेती को छोड़ना होगा। स्वस्थ एवं सुरक्षित भोजन, मिट्टी एवं जल की गुणवत्ता बनाये रखने के लिए जैविक उत्पाद की ओर ही आगे बढ़ना होगा।

—प्रो. कैलाश सोडान्पी, पूर्व कुलगुरु, वर्धमान महावीर खुला वि्वि, कोटा।



पंडित अनिल शर्मा

है। आज अशुन्य शयन व्रत, जया पार्वती व्रत, जागरण है। पंचक प्रातः 6:38 से आरम्भ होगी।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कर्क, चन्द्रमा-मकर, मंगल-वृष, बुध-मिथुन, गुरु-कर्क, शुक्र-सिंह, शनि-मीन राहु-कुम्भ, केतु-सिंह **श्रेष्ठ चौघड़िया:** चर सूर्योदय से 7:34 तक, लाभ-अमृत 7:34 से 10:53 तक, शुभ 12:33 से 2:13 तक, चर 5:32 से सूर्यास्त तका **राहूकाल:** 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 5:54, सूर्यास्त 7:12



मेघ

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए/दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटक हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक यात्रा संभव है। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।



तुला

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।



वृष

व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने व्यावसायिक कार्य लगेगी। शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेँगे। चलते कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।



वृश्चिक

घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होगे।



मिथुन

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होगे। अटके हुए कार्य बनने लगेँगे। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है।



धनु

परिवार में शुभ-मांगलिक संदेश प्राप्त हो सकते हैं एवं महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होगे।



कर्क

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। व्यक्तिगत परेशानियां अभी यथावत बनी रहेगी। स्वास्थ्य संबंधित मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। यात्रा में दुर्घटना का भय है।



मकर

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेँगे। आय में वृद्धि होगी। अटक हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। आज परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।



सिंह

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।





एक तरफ प्रधानमंत्री और सरकार की प्रदर्शनकारी छात्रों से बात करने की कोशिश की सोच है

दूसरी ओर भाजपा के ही कुछ वरिष्ठ नेता, जिनमें यूपी की राज्यपाल आनंदी बेन भी शामिल हैं, आंदोलनरत छात्रों को गैरसंस्कारी बता रहे हैं, यहाँ तक कि बड़े भ्दे शब्दों में परिभाषित कर रहे हैं

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 30 जुलाई। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल अब भाजपा और आरएसएस के उन नेताओं की सूची में शामिल हो गई हैं, जिन्होंने दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे जेन ज़ेड प्रदर्शनकारियों के आचरण और भाषा की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने कहा कि प्रदर्शनकारियों का आचरण "भारतीय मूल्यों के अनुरूप नहीं था और इससे समाज को शर्मिंदगी उठानी पड़ी।"

इससे पहले केरल के हिंदुत्व विचारक टी. जी. मोहनदास और मंडी से भाजपा सांसद कंगना रनौत सहित, कई नेताओं ने भी छात्र प्रदर्शनकारियों की आलोचना की थी। उनका कहना था कि प्रदर्शन के दौरान अशोभनीय भाषा का इस्तेमाल किया गया, जिसका बड़ा हिस्सा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ था।

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल ने आज कहा कि प्रर्शनकारियों द्वारा इस्तेमाल की गई भाषा ने "पूरे समाज का सिर शर्म

- यह दुविधा सोची समझी रणनीति है या विचारों में वाकई में मतभेद होने का संकेत है।
- अगर इस दुविधा का हल नहीं ढूंढा गया तो आंदोलन और उग्र हो सकता है और उसके परिणाम सभी के लिए दुखदायी हो सकते हैं।

से झुका दिया।" उन्होंने कहा, "जो कुछ भी कहा गया, वह हमारी संस्कृति और परंपराओं के अनुरूप नहीं था।" राज्यपाल ने कहा कि बेटियों को वेद, उपनिषद, भगवद्गीता और रामायण जैसे ग्रंथों का अध्ययन करना चाहिए, ताकि उनमें अच्छे संस्कार और नैतिक चरित्र का विकास हो।

विर्डबना यह है कि ये टिप्पणियां प्रदर्शनकारी छात्रों के साथ बातचीत और सामंजस्य बनाने की केन्द्र सरकार की नीति से अलग दिखाई देती हैं। यह अंतर साफ नजर आता है। एक ओर केन्द्र सरकार ने व्यवहारिक रुख अपनाते हुए, बातचीत, समझौते और अंततः आंदोलन की प्रमुख मांगों को स्वीकार करने की इच्छा दिखाई, जो संवाद और

तनाव कम करने की संस्थागत सोच को दर्शाता है। दूसरी ओर, भाजपा और आरएसएस से जुड़े कुछ नेताओं ने टकरावपूर्ण, नैतिक उपदेश देने वाला और कई बार हिंसा का समर्थन करने तथा हिंसा को जरूरी समझने वाला रुख अपनाया। उन्होंने युवा प्रदर्शनकारियों को सामाजिक रूप से पतित बताया तथा उनके खिलाफ घातक बल प्रयोग की बात कही। यह अंतर दिखाता है कि जहां सरकार आधिकारिक स्तर पर संतुलित राजनीतिक प्रबंधन की नीति अपना सकती है, वहीं उसके वैचारिक समूहों के कुछ लोग असहमति के खिलाफ सांस्कृतिक और ध्रुवीकरण वाली भाषा का इस्तेमाल करते रहते हैं। इस पूरे घटनाक्रम में, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता

की सीमाओं और युवाओं के असंतोष से निपटने के तरीके को लेकर कई सवाल आज भी अनुत्तरित हैं।

सबसे तीखा हमला केरल के हिंदुत्व विचारक और आरएसएस से जुड़े भाजपा के पूर्व बौद्धिक प्रकोष्ठ प्रमुख टी. जी. मोहनदास की ओर से आया। 26 जुलाई के आसपास जारी किए गए अपने यूट्यूब वीडियो में उन्होंने कहा कि यदि वे प्रभारी तथा अधिकृत होते तो जंतर-मंतर के चारों ओर चार वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में कर्फ्यू लगा देते, प्रदर्शनकारियों को हटने के लिए तीन बार चेतावनी देते और उसके बाद पुलिस को गोली चलाने का आदेश देते। उन्होंने कहा, "कुछ लोग मर सकते हैं, कुछ लोग हमेशा के लिए दिव्यांग हो सकते हैं (लेकिन) चार घंटे के भीतर स्थिति पूरी तरह शांत हो जाएगी।" उन्होंने यह भी दावा किया कि "वामपंथी, लोकतांत्रिक, धर्मनिरपेक्ष और बहुजन" प्रदर्शनकारियों में शामिल महिलाएं "बलात्कार पसंद करती हैं" और (इसलिये) सामूहिक बलात्कार (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दिल्ली सरकार जंतर मंतर पर पैलेट गन से घायलों का इलाज कराये

नई दिल्ली, 30 जुलाई। उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली सरकार को निर्देश दिया है कि वह जंतर-मंतर के विरोध प्रदर्शन के दौरान पैलेट गन से घायल हुए प्रदर्शनकारियों का इलाज कराए। कोर्ट ने प्रदर्शन के दौरान रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) के असलहों के मूवमेंट को संरक्षित रखने का आदेश दिया। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि किसी

- सुप्रीम कोर्ट ने रैपिड एक्शन फोर्स के असलहों के मूवमेंट को संरक्षित रखने का भी आदेश दिया।

विशेष घटना में पैलेट गन के इस्तेमाल की वैधता की जांच की जा सकती है। उच्चतम न्यायालय ने यह आदेश आईबी के पूर्व निदेशक और पूर्व मुख्य सूचना आयुक्त यशोवर्धन आजाद और दो अन्य पीड़ितों की याचिका पर दिया है। याचिका में पैलेट गन के इस्तेमाल पर प्रतिबंध के साथ ही पीड़ितों को मुआवजा देने की भी मांग की गई है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि 20 जुलाई को संसद मार्च के दौरान कर्नाट प्लेस के पास भारी भीड़ पर नियंत्रण पाने के लिए तैनात आरएएफ ने पहले आंसू गैस और लाठीचार्ज किया। उसके बाद पैलेट से लैस पंप एक्शन गन का इस्तेमाल किया गया।

याचिका में कहा गया है कि बल प्रयोग करने से पहले कोई चेतावनी नहीं दी गई और कई प्रदर्शनकारियों की (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ऐसा लगता है, ईरान अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के खिलाफ बहादुरी से संघर्ष कर रहा है

क्या अब ईरान के पास उन गिने-चुने, अलग-थलग पड़े आतंकी गुटों का ही समर्थन रह गया है

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 30 जुलाई। ईरान ने अमेरिका के सैन्य ठिकानों और बलों पर अचानक हमला किया, जो भी उस दिन, जब इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू वाइट हाउस में ट्रंप से मिले थे। यह बैठक लंबे अंतराल के बाद हुई थी, जब दोनों नेताओं के संबंधों में आई खटास कुछ कम होने का संकेत था और अमेरिका ने इजरायल को ईरान के ठिकानों पर नए हमले करने से रोका था।

जॉर्डन में अमेरिकी बलों पर ईरान के अचानक हमलों के जवाब में अमेरिका ने ईरान पर हमले किए, जिन्हें उसने "भारी हमले" बताया। इन हमलों में बड़ी संख्या में लोग हताहत हो रहे हैं, जिनमें ईरानी नागरिक भी शामिल हैं। ईरान के क़ैश्म तेल द्वीप पर अमेरिकी हमले में एक बच्चे सहित, तीन सदस्यों वाले पूरे परिवार की मौत हो गई।

कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि यह घटनाक्रम इस बात का संकेत है कि ईरान की आशंका है कि इजरायल एक बार फिर सक्रिय होकर उसके खिलाफ नया मोर्चा खोल सकता है। लेकिन इससे भी अधिक तात्कालिक कारण अमेरिका और

- अमेरिकी हमलों के जवाब में ईरान ने मध्यपूर्व में अमेरिका के सैन्य अड्डों व सैन्य बलों पर अचानक भारी हमले किए. हमले के लिए उसने वही दिन चुना, जिस दिन लंबे अरसे बाद वाइट हाउस में ट्रंप व इज़रायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू की मीटिंग हुई थी।

- अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों के अनुसार, ईरान की व्यग्रता का कारण ओमान के तट से होकर होर्मुज़ का वैकल्पिक रास्ता खोलना है. क्योंकि अगर होर्मुज़ का विकल्प सफल हो गया तो ईरान से उसका "ट्रंप कार्ड" छिन जाएगा।

- होर्मुज़ पर नियंत्रण ईरान के लिए प्रतिष्ठा का विषय बन गया है और उसे इसमें स्थायी आय स्रोत भी दिख रहा है। ईरान किसी भी कीमत पर होर्मुज़ को नहीं छोड़ेगा, साथ ही वह नहीं चाहता कि इसका विकल्प बने। हालांकि, सारा विश्व चाहता है कि होर्मुज़ को ईरान की पकड़ से बाहर निकाला जाए।

ओमान की वह संयुक्त पहल थी, जिसके तहत होर्मुज़ स्ट्रेट में ओमान के तट से सटे और ईरान द्वारा नियंत्रित आधिकारिक मार्ग के दक्षिण में एक वैकल्पिक समुद्री मार्ग खोलने की कोशिश की जा रही थी। यदि यह व्यवस्था स्थिर हो जाती, तो इससे ईरान

के सबसे बड़े रणनीतिक हथियार, होर्मुज़ स्ट्रेट पर उसका नियंत्रण व्यावहारिक रूप से समाप्त हो जाता। दरअसल, ईरान के उप-विदेश मंत्री ने हाल ही में दिए गए एक साक्षात्कार में इस चिंता को स्पष्ट रूप से (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मुंबई की एयर इंडिया बिल्डिंग बनी महाराष्ट्र का नया सीएम ऑफिस

23 मंजिला इस सी फेसिंग इमारत को गत माह 1601 करोड़ रुपए में महाराष्ट्र सरकार ने खरीदा है

-जाल खंभाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 30 जुलाई। समुद्र के किनारे बनी 23 मंजिला मशहूर एयर इंडिया बिल्डिंग, जिसे पिछले महीने महाराष्ट्र सरकार ने 1601 करोड़ रुपये में खरीदा था, अब मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस का नया कार्यालय बनेगी। यह कार्यालय राज्य सचिवालय "मंत्रालय" से अलग जगह होगा।

महाराष्ट्र सरकार को मंत्रालय के पास दक्षिण मुंबई के प्रमुख इलाकों में ऑफिस की जगह की कमी का सामना

मध्य प्रदेश पुलिस के तत्कालीन एआईजी को दुष्कर्म के मामले में उग्र कैद

जयपुर, 30 जुलाई। पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत क्रम-2 ने आपराधिक मामले में महिला के पति की मदद के नाम पर उसके साथ कई बार दुष्कर्म करने वाले मध्यप्रदेश पुलिस के तत्कालीन एआईजी अनिल मिश्रा को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही, पीड़िता की नाबालिग पुत्री से

- अदालत ने एआईजी अनिल मिश्रा को पीड़िता की नाबालिग पुत्री से अश्लीलता के मामले में 3 साल की सजा भी सुनाई।

अश्लीलता करने के मामले में भी मिश्रा को तीन साल की सजा सुनाई है। अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक सदीप वाजपेयी और पीड़ित पक्ष के वकील मुकेश पाठक ने अदालत को बताया कि पीड़िता ने 11 जुलाई, 2014 को महिला थाना दक्षिण में रिपोर्ट दर्ज कराई थी, जिसमें कहा गया कि उसके पति के खिलाफ फरवरी, 2012 में एमपी के सिरोह में शिकायत दर्ज हुई थी। इस दौरान उसके पति ने उसे (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- अब मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडनवीस "मंत्रालय" (महाराष्ट्र का राज्य सचिवालय) से अलग अपना ऑफिस चलाएंगे, बाद में अन्य विभागों को भी यहाँ शिफ्ट किया जाएगा।
- एयर इंडिया बिल्डिंग 1974 में बनी थी। एयर इंडिया के निजीकरण और टाटा समूह द्वारा इसके अधिग्रहण के बाद इस बिल्डिंग सहित एयर इंडिया की गैर प्रमुख परिसंपत्तियों का स्वामित्व एयर इंडिया एसैट्स होल्डिंग लिमिटेड को सौंप दिया गया था।

करना पड़ रहा था। एयर इंडिया बिल्डिंग का निर्माण वर्ष 1974 में राज्य सरकार की रिकलेम की गई जमीन पर किया गया था। शुरुआती दिनों में इसकी लिफ्टों में सफर करने का अनुभव लोगों के लिए आकर्षण का केन्द्र हुआ करता था। एयर इंडिया के निजीकरण और टाटा समूह द्वारा उसके अधिग्रहण के बाद, इस इमारत सहित, उसकी सामान्य

(नॉन-कोर) संपत्तियां, एयर इंडिया एसैट्स होल्डिंग लिमिटेड (एआईएचएल) को सौंप दी गई थी। फडणवीस के कार्यालय के अलावा, मंत्रालय के बाहर काम कर रहे सभी सरकारी विभागों को भी इस इमारत में स्थानांतरित किया जाएगा। इससे सरकार को हर साल किराये के रूप में जाने वाले लगभग 200 करोड़ रुपये की बचत होने की उम्मीद है।

आठ जिलों में स्थाई लोक अदालतों का गठन होगा

जयपुर, 30 जुलाई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश के 8 जिलों में स्थाई लोक अदालतों के गठन का अनुमोदन किया है।

मुख्यमंत्री के निर्णय के अनुसार फलीदी, डीडवाना-कुचामन, खैरथल-

- मुख्यमंत्री भजनलाल ने फलीदी, डीडवाना-कुचामन, खैरथल-तिजारा, ब्यावर, बाड़मेर, डीग, कोटपूतली-बहरोड़ और सलूम्बर में लोक अदालतों के गठन का अनुमोदन किया।

तिजारा, ब्यावर, बाड़मेर, डीग, कोटपूतली-बहरोड़ एवं सलूम्बर में स्थाई लोक अदालत खोली जाएंगी। (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बिना निर्वाचित हुए छः माह से अधिक समय तक मंत्री बने रहने पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

सुप्रीम कोर्ट ने इसके लिए बिहार सरकार को नोटिस भेज कर जवाब मांगा है

-जाल खंभाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 30 जुलाई। बिहार के पंचायती राज मंत्री दीपक प्रकाश एक अजीब तरह की जांच का सामना कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की गई है, जिसमें कहा गया है कि वे विधानसभा या विधान परिषद, किसी भी सदन के सदस्य बने बिना मंत्री पद पर बने हुए हैं।

दीपक प्रकाश पूर्व केन्द्रीय मंत्री उपेन्द्र कुशवाहा के पुत्र हैं। उपेन्द्र कुशवाहा की पार्टी आरएलएम, भाजपा की सहयोगी है। इस याचिका पर सुनवाई करते हुए गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि बिहार सरकार को यह बताना होगा कि पंचायती राज मंत्री दीपक प्रकाश राज्य विधानसभा या विधान परिषद के सदस्य बने बिना छह महीने से अधिक समय तक मंत्री पद पर कैसे बने रहे।

- यह मामला पंचायती राज मंत्री दीपक प्रकाश का है, वे ना तो विधानसभा के सदस्य हैं, ना ही विधान परिषद के, इसलिए उनके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दर्ज हुई है।

- दीपक प्रकाश पूर्व केन्द्रीय मंत्री उपेन्द्र कुशवाहा के पुत्र हैं, जिनकी पार्टी आरएलएम एनडीए की घटक है।

- दीपक प्रकाश के खिलाफ सोशल एक्टिविस्ट राकेश कुमार सिंह ने याचिका दायर की है, जिसमें दीपक प्रकाश को बिहार की नई सरकार में मंत्री बनाए जाने को चुनौती दी गई है।

- इससे पहले उन्हें 20 नवम्बर 2025 को बिहार सरकार में मंत्री बनाया गया था, वे तब निर्वाचित नहीं थे।

भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत के समक्ष मामले का उल्लेख करते हुए याचिकाकर्ता के

वकील ने कहा कि छह महीने से अधिक समय बीत चुका है, फिर भी दीपक प्रकाश बिहार विधानसभा या विधान

परिषद के लिए निर्वाचित हुए बिना मंत्री बने हुए हैं। उन्होंने शीघ्र सुनवाई की मांग करते हुए कहा, "माई लॉर्ड, अब छह महीने से अधिक हो चुके हैं और वे अब भी मंत्री हैं।"

बिहार सरकार की ओर से पेश वकील ने सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ को बताया कि मामला पहले से ही 27 अगस्त को सुनवाई के लिए लिस्टेड है। उन्होंने सुनवाई की तारीख पहले करने का निर्णय अदालत के विवेक पर छोड़ दिया। इस पर सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि यह पूरी तरह कानून का प्रश्न है और राज्य सरकार को यह स्पष्ट करना होगा कि संविधान के किस प्रावधान के आधार पर किसी ऐसे व्यक्ति को, जो विधानसभा या विधान परिषद का सदस्य नहीं है, छह महीने से अधिक (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राजस्थान विधानसभा का सत्र 20 अगस्त से

जयपुर, 30 जुलाई। राजस्थान की सोलहवीं विधानसभा का छठा सत्र आगामी 20 अगस्त से शुरू होगा। इस संबंध में राजस्थान विधानसभा सचिवालय ने गुरुवार को राजपत्र में अधिसूचना प्रकाशित की है। अधिसूचना के अनुसार, राज्यपाल

- राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने अधिसूचना जारी की।

हरिभाऊ बागडे ने संविधान के अनुच्छेद 174(1) के तहत प्राप्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए विधानसभा का छठा सत्र 20 अगस्त को प्रातः 11 बजे राजस्थान विधानसभा भवन, ज्योति नगर, जयपुर में आहूत किया है। विधानसभा के इस सत्र में सरकार विभिन्न महत्वपूर्ण विधेयकों एवं अन्य सरकारी कार्यों को सदन में प्रस्तुत कर सकती है। इसके साथ ही, विपक्ष भी प्रदेश से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लेकर सरकार को घेरने की तैयारी में जुटेगा। (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राजलदेसर में मूसलाधार बरसात से सरकारी अस्पताल में पांच फीट पानी भरा

तेज बारिश से पूरे कस्बे में जलभराव की स्थिति बन गई, कई घरों और दुकानों में भी पानी घुस गया

राजलदेसर, (निसं)। राजलदेसर में गुरुवार सुबह छह बजे से सात बजे के बीच हुई एक घंटे से अधिक की मूसलाधार बारिश ने कस्बे की व्यवस्थाओं की पोल खोल दी। तेज बारिश के चलते पूरे कस्बे में जलभराव की स्थिति बन गई और कई मुख्य मार्गों सहित निचले इलाकों में 2 से 3 फीट तक पानी भर गया।

पानी भरने से लोगों का आवागमन पूरी तरह प्रभावित रहा तथा कई घरों और दुकानों में भी पानी घुस जाने से घरेलू सामान व व्यापारिक प्रतिष्ठानों को नुकसान पहुंचा। बारिश के कारण गांधी चौक, रेलवे स्टेशन रोड, फ्रेंड्स सोसायटी मार्ग, महेंद्र मुनि मार्ग, मेहंदीपुर बालाजी मार्ग, मुरलाई बस्ती, अंजनी माता मंदिर मार्ग, ढोली बस्ती, वार्ड संख्या 26 और वार्ड संख्या 35 सहित कई क्षेत्रों में भारी जलभराव हो गया। कई स्थानों पर सड़कें तालाब जैसी नजर आईं, जिससे लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। सबसे अधिक प्रभावित राजकीय चिकित्सालय रहा, जहां 4 से 5 फीट तक पानी भर जाने से रोगी भर्ती वार्ड, नर्सिंग क्वार्टर, एक्स-रे कक्ष, प्रयोगशाला, लेबर रूम तथा



राजलदेसर में हुई बारिश से चिकित्सालय में पानी भरने से लोगों को परेशानी की सामना करना पड़ा।

स्टोर रूम में पानी घुस गया। इससे अस्पताल के उपकरण, दवाइयों और अन्य सामग्री को लाखों रुपये के नुकसान की आशंका जताई जा रही है। मरीजों और चिकित्सकर्मियों को भी काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। बारिश के दौरान नगर पालिका की तैयारियों पर भी सवाल खड़े हुए। सुबह करीब 5:30 बजे बिजली आपूर्ति बाधित होने के बाद पंप हाउस

में लगे जनरेटर में डीजल उपलब्ध नहीं होने से जल निकासी का कार्य समय पर शुरू नहीं हो सका, जिसके कारण कई इलाकों में पानी लंबे समय तक जमा रहा। हालांकि अच्छी बारिश से किसानों के चेहरों पर खुशी देखने को मिली। लंबे समय से बारिश का इंतजार कर रहे किसानों ने इसे खरीफ फसलों के लिए लाभदायक बताया। साथ ही

लगातार पड़ रही उमस और गर्मी से भी लोगों को राहत मिली।

अधिकांसी अधिकारी सीताराम मीणा ने बताया कि जलभराव की स्थिति को देखते हुए नगर पालिका के सभी कर्मचारियों को राहत कार्य में लगाया गया है। जिन क्षेत्रों में घरों में पानी घुस गया है, वहां टैंकर और पंपसेट लगाकर पानी निकासी का कार्य कराया जा रहा है। मुख्य

■ चिकित्सालय के रोगी भर्ती वार्ड, नर्सिंग क्वार्टर, एक्स-रे कक्ष, प्रयोगशाला, लेबर रूम तथा स्टोर रूम में पानी घुस गया

■ पानी भरने से अस्पताल के उपकरण, दवाइयों और अन्य सामग्री को लाखों के नुकसान की आशंका जताई

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज शर्मा ने बताया कि अस्पताल परिसर का निरीक्षण कर नुकसान का आकलन किया जाएगा तथा आवश्यक व्यवस्थाएं शीघ्र बहाल की जाएंगी। शेर शाम तक भी कस्बे के कई मार्ग जलमग्न रहे और अनेक स्थानों पर पानी की निकासी पूरी तरह नहीं हो सकी, जिससे आमजन को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

चूखू में छह जुआरी गिरफ्तार

चूखू, (कासं)। पुलिस थाना रतननगर की टीम ने जुआ खेलते हुए 6 जुआरियों को गिरफ्तार करके उनके कब्जे से 19,900 रुपए जुआ राशि जब्त की है। थानाधिकारी पुलिस थाना रतननगर सुभाषचन्द्र के नेतृत्व में टीम ने गश्त के दौरान एनएच 52 सड़क किनारे रोही रतननगर से आरोपी उमर कुरैशी पुत्र जाफर व्यापारी निवासी वार्ड नं. 24 रामगढ़ जिला सीकर, मोहम्मद हारुन पुत्र याकूब व्यापारी निवासी वार्ड नं. 30 रामगढ़ जिला सीकर, मोहम्मद रनजान पुत्र मोहम्मद सलीम तेली निवासी वार्ड नं. 20 रामगढ़ जिला सीकर, लतीफ कुरैशी पुत्र अब्दुल रहमान भिखरी निवासी वार्ड नं. 30 रामगढ़ जिला सीकर, इलियास पुत्र गुलामनवी व्यापारी वार्ड नं. 30 रामगढ़ पुलिस थाना रामगढ़ जिला सीकर और सलीम पुत्र मोहम्मद यासीन व्यापारी निवासी वार्ड नम्बर 30 रामगढ़ के कब्जे से जुआ राशि जप्त कर प्रकरण दर्ज किया।

लाखों की अवैध शराब जब्त

बीकानेर, (निसं)। आबकारी टीम ने कार्रवाई करते हुए 180 कार्टन अंग्रेजी शराब से भरी पिकअप जब्त की। इस मामले में पुलिस ने एक आरोपी को भी गिरफ्तार किया है। जिससे पूछताछ जारी है। शराब की बाजार कीमत करीब 15 लाख रुपए बताई जा रही है।

जिला आबकारी अधिकारी मनोज बिस्सा ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर जिले के सुमेरपुर क्षेत्र में हाईवे पर टीम मुखबिर की सूचना पर अलर्ट रही। जैसे ही संदिग्ध पिकअप आई तो उसे रोका और तलाशी ली। तलाशी के दौरान पिकअप में चड़्गैंगढ़ ब्रांड की 180 कार्टन अंग्रेजी शराब मिली। ऐसे में पिकअप और शराब को जब्त किया। मामले में बीकानेर के सोडबाली (लुणकसर) निवासी 40 वर्षीय गिरधारीसिंह पुत्र अमरसिंह को गिरफ्तार किया।

बीकानेर में दो हिस्ट्रीशीटरों के 10 अवैध कब्जों को बुलडोजर से तोड़ा

एक हिस्ट्रीशीटर पर 50 से ज्यादा केस दर्ज, दीवार बनाकर लोहे के गेट लगवा रखे थे

बीकानेर, (निसं)। यहां 2 हिस्ट्रीशीटरों के 10 से ज्यादा अवैध निर्माण को ढहाया गया। आधे घंटे चली कार्रवाई में बीकानेर डेवलपमेंट अथॉरिटी और 2 थानों की पुलिस मौजूद रही। कार्रवाई गंगाशहर इलाके में करमीसर गांव की ओर जाने वाले रास्ते पर की गई। इसमें जमीनों पर बाउंड्री कर लोहे के गेट लगा कर कब्जा किया गया था।

आमीन खान कोर्टगेट थाने का हार्डकोर हिस्ट्रीशीटर है। उसके खिलाफ हत्या, हत्या का प्रयास और हथियार तस्करी के आरोप हैं। पिछले 20 साल से आमीन के खिलाफ हथियार सप्लाई

के मामले दर्ज होते रहे हैं। बीकानेर में उसपर 50 से ज्यादा मामले दर्ज हैं। हसन अली पर चार अलग अलग केस दर्ज हैं, जिसमें वो तीन में अदालत से दोषमुक्त हो चुका है। हसन के खिलाफ 2017 में आर्म्स एक्ट के तहत नयाशहर थाने में मामला दर्ज किया गया था, जिसमें अब तक अदालत में कार्रवाई चल रही है। इसके अलावा बीछवाल थाने में साल 2015 और कोर्टगेट थाने में 1996 में दर्ज मामले में अदालत से दोष मुक्त हो गया। वहीं हत्या के प्रयास का एक मामला सदर थाने में साल 2015 में दर्ज हुआ था। इसमें भी संदेह का लाभ देकर उसे

दोषमुक्त किया गया।

जानकारी के अनुसार कोर्टगेट थाने के हिस्ट्रीशीटर आमिर खान और हसन अली से जुड़ी अवैध संपत्तियों और अतिक्रमणों को प्रशासन ने चिन्हित किया था। गुरुवार को बीकानेर विकास प्राधिकरण और पुलिस की संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर ध्वंसीकरण की कार्रवाई शुरू की। कार्रवाई के दौरान सीओ गंगाशहर हिमांशु शर्मा के नेतृत्व में बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा। बीडीए के उपायुक्त कुणाल राहड़ और तहसीलदार आकांक्षा गोदारा भी कार्रवाई की निगरानी करते रहे।

कोटा के अस्पताल में मरीज की मौत को लेकर परिजनों का हंगामा

- मामला हाथापाई तक पहुंच गया और डॉक्टर से हाथापाई व धक्का-मुक्की भी की
- परिजनों का आरोप था कि मरीज का बेड बदलकर कोई ध्यान नहीं दिया गया, लापरवाही के चलते मरीज की मौत हो गई

कोई भी ध्यान नहीं दिया गया। लापरवाही के चलते मरीज की मौत हो गई। हंगामे की सूचना पाकर पुलिस भी मौके पर पहुंची और मामले में समझाईश की, वहीं हंगामे के बाद अस्पताल स्टॉफ ने कुछ समय के लिये कामकाज बंद कर दिया। रेजिडेंट डॉक्टर एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉक्टर हेमंत शर्मा ने बताया कि मरीज अमर सिंह को ब्रेन स्ट्रोक, न्यूमोनिया व अन्य कई बीमारी पर न्यू

मेडिकल कॉलेज अस्पताल के आईसीयू वार्ड में डॉ. देवेन्द्र अजमेरा की यूनिट में भर्ती किया गया था। मरीज की तबियत बिगड़ने पर परिजनों को वेन्टीलेटर के लिये कहा, लेकिन परिजनों ने लिखित में वेन्टीलेटर सपोर्ट के लिये इंकार कर दिया। मरीज की तबीयत बिगड़ने पर सीपीआर दिया जा रहा था। पर मरीज की मौत होने पर मृतक के बेटे ने दूसरी यूनिट के एक रेजिडेंट डॉक्टर पर हमला कर

मारपीट कर दी। मामले में पुलिस को भी शिकायत दी, जिस पर मृतक के बेटे को पुलिस ने डिटेन कर कार्यवाही की।

न्यू मेडिकल कॉलेज अस्पताल के अस्पताल अधीक्षक डॉक्टर आशुतोष शर्मा ने कहा कि रेजिडेंट डॉक्टर अस्पताल के वार्ड में राउंड ले रहे थे। एक मरीज की मौत होने पर परिजन ने हंगामा व डॉक्टर से हाथापाई की, मामले में शिकायत पुलिस को दी है।

महावीर नगर थानाधिकारी हेमरेन्द्र सिंह सौदा ने बताया कि न्यू मेडिकल कॉलेज अस्पताल के आईसीयू वार्ड में भर्ती मरीज अमर सिंह की उपचार के दौरान मौत होने पर परिजनों ने हंगामा कर दिया एवं गुस्से में मृतक के बेटे ने डॉक्टर से हाथापाई कर दी।

अलवर में बैंक जा रहे छात्र पर हमला, अपहरण की भी कोशिश

■ घटना का वीडियो भी सामने आया, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है

■ थार और मोटरसाइकिलों पर सवार युवकों ने छात्र की स्कूटी को टक्कर मारकर मारपीट की

अलवर, (निसं)। अलवर शहर के वैशाली नगर थाना क्षेत्र के खुदनपुरी इलाके में गुरुवार सुबह एक पॉलिटेक्निक छात्र पर दिनदहाड़े हमला करने का मामला सामने आया है। छात्र का आरोप है कि थार और कई मोटरसाइकिलों पर आए बदमाशों ने पहले उसकी स्कूटी को पीछे से टक्कर मारी, फिर सड़क पर गिराकर बेरहमी से मारपीट की। इतना ही नहीं, रिवाल्वर दिखाकर जबरन गाड़ी में बैठाने की भी कोशिश की गई। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

घायल छात्र रितिक वर्मा (21) के अनुसार गुरुवार सुबह करीब 10:30 बजे अपनी स्कूटी से दिल्ली रोड स्थित एसबीआई बैंक में 1.50 लाख रुपए जमा कराने जा रहा था। जैसे ही वह चक्रधारी मंदिर के पास पहुंचा, पीछे से आई एक थार और मोटरसाइकिलों पर सवार युवकों ने उसकी स्कूटी को टक्कर मार दी। इसके बाद सभी ने उसे धर लिया और सड़क

पर पटककर मारपीट शुरू कर दी। रितिक का आरोप है कि बदमाशों ने उसके सिर पर रिवाल्वर की बट से वार किया और लाठी-सरियों से हमला किया। इस दौरान उसे थार से कुचलने की कोशिश भी की गई। आरोपियों ने जबरन गाड़ी में बैठाकर ले जाने का प्रयास किया, लेकिन शोर सुनकर आसपास लोग जमा हो गए। इसी मोटरसाइकिलों पर सवार युवकों ने उसकी स्कूटी को टक्कर मार दी। इसके बाद सभी ने उसे धर लिया और सड़क

चंगुल से छुड़ाया गया। पीड़ित का कहना है कि आरोपी उसके पास मौजूद 1.50 लाख रुपए नकद और करीब 15 ग्राम वजनी चांदी की चेन छीनकर फरार हो गए। हमले में उसका आईफोन-15 भी टूट गया और स्कूटी को भी नुकसान पहुंचा। घायल छात्र को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। रितिक ने पुलिस को दी शिकायत में अमित, विशाल, मन्नु, दिनेश, यश, सुमित, भूपेंद्र उर्फ भूपी, चंद्रप्रकाश उर्फ चौकू समेत अन्य युवकों को नामजद किया है। उसने बताया कि आरोपियों से उसकी पुरानी रंजिश चल रही है। उसके अनुसार 28 जुलाई को भी उसे मोबाइल पर जान से मारने की धमकी मिली थी, जिसकी सूचना पुलिस कंट्रोल रूम को दी गई थी। अलवर पुलिस के अनुसार मारपीट और लूट की शिकायत प्राप्त हुई है। पुलिस सभी आरोपों की जांच कर रही है। घटना का वीडियो भी खंगाला जा रहा है और तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जीके (ग्रुप-सी) एवं साइंस व संस्कृत की मॉडल उत्तरकुंजी जारी

अजमेर, (निसं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा वरिष्ठ अध्यापक (माध्यमिक शिक्षा विभाग) परीक्षा-2025 अंतर्गत जीके (ग्रुप - सी) एवं साइंस तथा संस्कृत विषय की मॉडल उत्तर कुंजियां आयोग की वेबसाइट पर जारी कर दी गई हैं। इस संबंध में विस्तृत सूचना आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

आयोग के मुख्य परीक्षा नियंत्रक आशुतोष गुप्ता ने बताया कि यदि किसी अभ्यर्थी को इन मॉडल उत्तर कुंजियों पर कोई आपत्ति हो तो निर्धारित शुल्क के साथ 1 से 3 अगस्त 2026 तक अपनी आपत्ति ऑनलाइन दर्ज करवा सकता है। आपत्तियां आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध मॉडल प्रश्न पत्र के क्रमानुसार ही प्रविष्ट करें। उक्त परीक्षा के मॉडल

प्रश्न पत्र आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। साथ ही उक्त परीक्षाओं में सम्मिलित अभ्यर्थियों के अतिरिक्त यदि कोई अन्य व्यक्ति आपत्ति दर्ज करवाता है, तो उस पर कोई विचार नहीं किया जाएगा। आयोग द्वारा प्रत्येक प्रश्न हेतु आपत्ति शुल्क 100 रूपए (सेवा शुल्क अतिरिक्त) निर्धारित किया गया है। अभ्यर्थी एसएसओ पोर्टल पर लॉगिन कर रिक्रूटमेंट पोर्टल का चयन कर उक्त परीक्षा के लिए उपलब्ध लिंक पर क्लिक कर प्रश्नों पर आपत्तियां दर्ज कराकर प्रति प्रश्न आपत्ति शुल्क 100 रूपए (सेवा शुल्क अतिरिक्त) के हिसाब से कुल आपत्ति शुल्क ई-मित्र कियोस्क अथवा अभ्यर्थी स्वयं भी रिक्रूटमेंट पोर्टल पर उपलब्ध पेमेंट गेटवे पर भुगतान कर आपत्तियां दर्ज कर सकता है।

छबड़ा के किसानों से कृषि कारोबार के नाम पर 12.50 लाख की ठगी

फर्जी फर्म बनाकर किसानों को शिकार बनाया, पंजाब से आरोपी को गिरफ्तार किया

■ आरोपी और उसके साथियों ने फर्जी फर्म बनाकर किसानों को फलदार बगीचा, पॉलीहाउस एवं जैविक खाद की एजेंसी दिलाने का झांसा दिया

■ किसानों से नकद और चेक से लाखों रुपये वसूल कर आरोपी फरार

स्थित एक बैंक में खाता खुलवाया और किसानों को खेतों में फलदार पौधों का बगीचा विकसित कराने, पॉलीहाउस स्थापित कराने तथा जैविक खाद की एजेंसी दिलाने का भरोसा दिया। आरोपियों ने किसानों से नकद और चेक के माध्यम से करीब 12.50 लाख रुपये वसूल किए और बाद में फरार हो गए। जांच के दौरान एफआईआर में दर्ज नाम, पते और मोबाइल नंबर भी फर्जी पाए गए। तकनीकी अनुसंधान और सूचना संकलन के आधार पर पुलिस ने गिरोह से जुड़े रघुनाथ गुप्ता निवासी बनकसही, थाना मुन्नावा, जिला बस्ती (उत्तर प्रदेश), हाल निवासी लुधियाना (पंजाब) को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी से पूछताछ के आधार पर गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश और उगी के अन्य मामलों की जांच की जा रही है।

नाबालिग किशोरी ने आत्महत्या की

डुंगरपुर, (निसं)। जिले के सदर थाना क्षेत्र के रोहनवाड़ा गांव में एक 16 वर्षीय किशोरी ने अपने घर के कमरे में पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। इस घटना के कारणों का फिलहाल खुलासा नहीं हो पाया है। पुलिस ने

■ आत्महत्या करने के कारणों का फिलहाल खुलासा नहीं हो पाया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सदर थाना के एएसआई ने बताया कि रोहनवाड़ा निवासी टीना ने इस संबंध में रिपोर्ट दर्ज कराई है। टीना के अनुसार वह खेल पर काम करने गई हुई थी, जबकि उसकी 16 वर्षीय बेटी खुशबू घर पर अकेली थी। खेल से लौटने के बाद जब टीना ने बेटी को आवाज दी और अंदर से कोई जवाब नहीं मिला तो उसने देखा कि दरवाजा अंदर से बंद था। खिड़की से देखने पर खुशबू कमरे में पंखे से फंदे पर लटकती हुई मिली। घटना की सूचना मिलते ही पड़ोसी और पुलिस मौके पर पहुंचे। दरवाजा खोलकर किशोरी को नीचे उतारा गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। पुलिस ने शव को जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया, जहां पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस के अनुसार आत्महत्या के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है और मामला दर्ज कर विभिन्न पहलुओं से जांच की जा रही है।

महिला सशक्तिकरण के बिना विकसित भारत की कल्पना अधूरी है : राज्यपाल बागड़े

कोटा, (निसं)। कृषि विश्वविद्यालय कोटा एवं शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित द्वि दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला स्वस्थ एवं शिक्षित महिला सशक्त राष्ट्र का शुभारम्भ गुरुवार को स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ एप्लीकल्वर मैनेजमेंट कोटा में राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने किया। कार्यक्रम में देशभर से लगभग 300 वैज्ञानिकों, शिक्षकों, चिकित्सकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों ने भाग लिया। मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि राष्ट्र निर्माण का आधार केवल आर्थिक विकास नहीं, बल्कि बौद्धिक विकास, ईमानदारी, जिज्ञासा तथा सतत अध्ययन की प्रवृति है। उन्होंने विद्यार्थियों से निरंतर अध्ययन करने, प्रश्न पूछने और भारतीय ज्ञान परंपरा एवं वैदिक शिक्षा के मूल्यों को आत्मसात करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण के बिना विकसित भारत की कल्पना अधूरी है तथा शिक्षित एवं स्वस्थ महिलाएँ ही सशक्त राष्ट्र की आधारशिला हैं।



कोटा में राज्यपाल बागड़े ने राष्ट्रीय कार्यशाला को संबोधित किया।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि एवं शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली के राष्ट्रीय सचिव डॉ. अतुल कोठारी ने कहा कि गरीब एवं वंचित बालिकाओं की शिक्षा राष्ट्र निर्माण की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में संतुलित एवं पौष्टिक आहार के माध्यम

से रोग प्रबंधन पर विशेष बल देते हुए कहा कि उचित भोजन अनेक बीमारियों की रोकथाम एवं नियंत्रण का प्रभावी माध्यम बन सकता है। उन्होंने शिक्षा, संस्कार एवं स्वास्थ्य को राष्ट्र की उन्नति के तीन प्रमुख स्तंभ बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कृषि

■ स्वस्थ एवं शिक्षित महिला : सशक्त राष्ट्र राष्ट्रीय कार्यशाला का कोटा में शुभारम्भ हुआ

विश्वविद्यालय, कोटा की कुलपति डॉ. विमला डूकवाल ने कहा कि नारी शक्ति ही राष्ट्र शक्ति है। उन्होंने महिलाओं के सम्मान, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सामाजिक सहभागिता को समावेशी विकास का आधार बताते हुए प्रत्येक बालिका एवं महिला तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं स्वास्थ्य सुविधाएँ पहुँचाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि महिलाओं का सशक्तिकरण समाज के सर्वांगीण विकास का मार्ग प्रशस्त करता है।

इस अवसर पर राज्यपाल द्वारा कार्यशाला की शोध पत्र स्मारिका का विमोचन भी किया गया। कार्यशाला के प्रथम तकनीकी सत्र आहार, विहार और महिला में डॉ. नीलांबरी देवे एवं डॉ. मिताबेन राजेश कोटेवा ने महिलाओं के स्वास्थ्य, संतुलित आहार, जीवनशैली,

भारतीय परंपरागत भोजन एवं रोग प्रतिरोधक क्षमता पर विस्तार से प्रकाश डाला। द्वितीय तकनीकी सत्र महिला एवं मानसिक स्वास्थ्य में डॉ. अजीत शर्मा ने मानसिक स्वास्थ्य, तनाव प्रबंधन, भावनात्मक संतुलन तथा बदलती जीवनशैली के प्रभावों पर विस्तृत व्याख्यान दिया।तृतीय तकनीकी सत्र महिला शारीरिक स्वास्थ्य जागरूकता में डॉ. ज्योति शर्मा, डॉ. अनुपमा चतुर्वेदी एवं डॉ. अंजना शर्मा ने महिलाओं के शारीरिक स्वास्थ्य, स्त्री रोगों की रोकथाम, नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, पोषण, स्वच्छता एवं समय पर चिकित्सकीय परामर्श के महत्व पर विस्तृत जानकारी प्रदान की तथा प्रतिभागियों के प्रश्नों के उत्तर भी दिए। कार्यक्रम के दौरान महिला स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा एवं सशक्तिकरण विषयक पोस्टर प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया, जिसका अवलोकन राज्यपाल एवं विशिष्ट अतिथियों ने किया। उन्होंने प्रतिभागियों के नवाचारों एवं वैज्ञानिक प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए शोध को समाजोपयोगी बनाने का आह्वान किया।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता,
सार्वजनिक निर्माण विभाग, विद्युत खण्ड, बीकानेर

क्रमांक-अउ/वि. खण्ड/बी / निविदा/2026-27/666

ई-निविदा सूचना संख्या 21/वर्ष 2026-27
(NIB Code No PWD2627A1799)

निम्न हस्ताक्षर कार्ता द्वारा राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से विद्युतीकरण कार्यों के लिए मोहरखन्द निविदादा सा.नि.वि. , राज में सज्जम श्रेणी में पंजीकृत संवेद्यकों से आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रणाली की प्रति अयोध्यास्तारकर्ता के कार्यालय में निविदा आवेदन/डायनलॉग करने की दिनांक 27.07.2026 से 07.08.2026 तक सायं 6.00 बजे तक जमा कराई जा सकती है। तकनीकी निविदा दिनांक 10.08.2026 को प्रातः 11.00 बजे खोली जायेगी। प्री-बिड मीटिंग की दिनांक 04.08.2026 दोपहर 01.00 बजे है। निविदा की अन्य शर्तें एवं स्वीकृत तकनीकी आदि का विवरण किसी भी कार्य दिवस के दौरान इस कार्यालय में उपस्थित होकर देखा जा सकता है। अन्य शर्तें व विवरण इस कार्यालय में व डीपीआर की वेबसाइट www.dipronline.org <http://sppp.raaj.nic.in> पर देखा जा सकता है। कुल कार्यों की संख्या 05 कुल लागत 56.45 लाख

UBN No.-1.PWD2627WSOB07636, 2.PWD2627WSOB07637, 3.PWD2627WSOB07639
4.PWD2627WSOB07640, 5.PWD2627WSOB07641

(पीयूष सिंह)
अधिशाषी अभियन्ता,
सा.नि.वि. विद्युत खण्ड, बीकानेर

DIPR/C/13256/2026

GOVERNMENT OF RAJASTHAN
OFFICE OF THE ADDITIONAL CHIEF ENGINEER
WATERSHED DEVELOPMENT AND SOIL CONSERVATION JODHPUR
(Near RTO Office, BJS Colony Jodhpur-342066)
E-mail: acewdscc.jodhpur@rajasthan.gov.in

S.No.F/(JACE)-Ju-WDSC/MJA2.2/Bids/2026-27/

Date:

NOTICE INVITING BID
NIB No. – JODHPUR/DIPR/PHA/01/2026-27

Bids for Execution of following Watershed Development Works under MJA.2.2 Scheme of estimated cost as mentioned below are invited from interested bidders up to 14.08.2026, 05.00 PM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (<https://eproc.raajasthan.gov.in> or <https://sppp.raajasthan.gov.in>) of the state, and www.watershed.raajasthan.gov.in in departmental website.

Bid No.	Block	Name of Work	Estimated Cost, Rs.in lakhs.	UBN No.
MJA.2.2/PHA/BAP/01	Bap	Construction of various Water harvesting structures under MJA.2.2 in Block-Bap, District Phalodi.	341.00	WSC2627WSOB01196
MJA.2.2/PHA/AJU/02	Aau	Construction of various Water harvesting structures under MJA.2.2 in Block-Aau, District Phalodi.	309.66	WSC2627WSOB01197
MJA.2.2/PHA/DECHJ/03	Dachu	Construction of various Water harvesting structures under MJA.2.2 in Block-Dechu, District Phalodi.	301.70	WSC2627WSOB01198
MJA.2.2/PHA/GHANTY/04	Ghantiyal	Construction of various Water harvesting structures under MJA.2.2 in Block-Ghantiyal, District Phalodi.	449.15	WSC2627WSOB01199
MJA.2.2/PHA/LCHAWAT/05	Lohawat	Construction of various Water harvesting structures under MJA.2.2 in Block-Lohawat, District Phalodi.	379.00	WSC2627WSOB01200

(Bhagrathi Bishnoi)
Additional Chief Engineer
Watershed Development & Soil Conservation
Jodhpur

DIPR/C/13204/2026

सार-समाचार

कलश यात्रा में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

चूरू । झारिया मोरी स्थित मंत्रियों की छतरी में श्रावण मास पर शिव भक्त साधक चूरू की ओर से 3० जुलाई से 5 अगस्त तक श्री शिव महापुराण कथा का आयोजन किया जायेगा। कथा को लेकर गुरुवार को भव्य कलश यात्रा निकाली गई। इस दौरान महिलाएं सिर पर कलश धारण कर गाजे-बाजे के साथ मंगल गीत गाती हुई कलश यात्रा में शामिल हुई। कलश यात्रा को कथा वाचक संतोष सागर महाराज ने पूजा-अर्चना कर रवाना किया। विधायक हरराल सहारण ने कथा वाचक संतोष सागर महाराज का महापार्षण कर स्वागत किया। इससे पूर्व मुख्य यजमान राजकुमार गोटेवाला व ब्रह्मानंद राजोतिया ने सपत्नीक पूजा-अर्चना की। कलश यात्रा गढ़ स्थित गोपाल जी के मंदिर से रवाना होकर सफेद घंटाघर, सब्जी मंडी, भाईजी चौक, झारिया मोरी होते हुए मुख्य मार्गों से कथा स्थल मंत्रियों की छतरी पहुंची। इस दौरान कथा वाचक संतोष सागर महाराज रथ पर सवार थे। जगह-जगह लोगों ने पुष्प वर्षा कर कलश यात्रा का स्वागत किया। कलश यात्रा के बाद मंदिर परिसर में रूद्राभिषेक किया गया। कथा के शुभारंभ पर कथा वाचक संतोष सागर महाराज ने भगवान शिव की महिमा का वर्णन करते हुए कहा कि श्रावण मास में भगवान शिव की आराधना, रूद्राभिषेक और शिव महापुराण का श्रवण जीवन में सुख-शांति और आध्यात्मिक ऊर्जा प्रदान करता है। आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि कथा प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से सांय 6 बजे तक आयोजित की जायेगी। इस अवसर पर कार्यक्रम संचायक श्रीराम सैनी, सुरेश सरागी, हनुमान प्रसाद माटोयिया, आंचां जनादं, संजय सिंघानिया, गोपीचंद शर्मा, कैलाश नवहाल, नारायण बजाज, गिरजानंद सैनी, मेघराज बजाज, विद्याधर शर्मा, सोहनलाल सैनी, जयप्रकाश शर्मा, नेमीचंद सैनी, सुनील, सुरेश शर्मा, राकेश दाधीच, पदम सिंह राठौड़, श्री राम पीपलवा, विमल जोशी सहित कथा संघों में महिला-पुरुष उपस्थित थे।

किशनलाल गहनोलिया का अभिनंदन

चूरू । स्थानीय मेरीगोल्ड स्कूल में बुधवार देर शाम बीएसए सीबीईओ किशनलाल गहनोलिया का मित्र परिषद चूरू की ओर से नागरिक अभिनंदन किया गया। राजकीय सेवा में उत्कृष्ट कार्यों के लिए मित्र परिषद द्वारा उनका माल्यांण कर, शॉल-श्रीफल व साफा पहनाकर अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर सीडीईओ संतोष महर्षि, मित्र परिषद अध्यक्ष संदीप पाटिल, नगर श्री सचिव श्यामसुंदर शर्मा, रामकुमार खीचड़, सांवरमल गहनोलिया व रिजाल खान मंचस्थ अतिथि थे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्जलित कर किया गया। कार्यक्रम में प्रेमसिंह इंदा, भंवरलाल गुर्जर, खालिद अली तुगलक, बजरंगलाल सैनी तथा मुकुल भाटी ने गहनोलिया को एक कर्तव्य निष्ठ अधिकारी बताते हुए कहा कि आमजन के साथ इनका गहरा जुड़ाव है। सीडीईओ संतोष महर्षि ने कहा कि राजकीय सेवा में कर्तव्य निष्ठा से कार्य करने वाले अधिकारी को महाराज याद किया जाता है, शिक्षाविद् श्याम सुंदर शर्मा ने उन्हें एक सद्दय व्यक्ति बताया। कार्यक्रम में मित्र परिषद के संरक्षक विजेंद्र दाधीच ने कहा कि परिषद इस प्रकार के कर्तव्य निष्ठ अधिकारियों व सामाजिक कार्यकर्ताओं का समय-समय पर उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए अभिनंदन करता रहता है। इस अवसर पर मित्र परिषद के विनीत चोटिया, मुकेश ओझा, जाकिर हुसैन, महेंद्र सेबलिया, सुनील जांगिड़, रामकरण गोदारा, रविंद्र शेखावत, मोहनलाल अजुंर, सुरेश शर्मा, मनीज गहनोलिया, वंदना सहित बड़ी संख्या में शहर के गणमान्य जन उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन रवि दाधीच ने किया।

नाबालिग पर जानलेवा हमला आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग

नोहर । यहां उपखंड क्षेत्र के गांव खुईयां निवासी एक परिवार ने नाबालिग के साथ कथित रूप से हुई मारपीट और गंभीर चोटें पहुंचाने के मामले में पुलिस प्रशासन से सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पीडित पक्ष ने पुलिस अधीक्षक हनुमानगढ़, उपखंड अधिकारी तौहर एवं थाना अधिकारी कुल्लू को परिवार सौंपते हुए आरोप लगाया कि कुछ लोगों ने नाबालिग के साथ मारपीट कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। परिवार के अनुसार घटना 29 जुलाई मंगलवार की शाम करीब 5 बजे की बताई गई है। शिकायत में आरोप है कि विवाद के दौरान नाबालिग के सिर, गर्दन तथा शरीर के अन्य हिस्सों पर चोटें पहुंचाई गई। घायल को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका प्राथमिक उपचार कराया गया। परिवार के साथ चोटों के फोटो एवं मेडिकल संबंधी दस्तावेज भी प्रशासन को सौंप गए हैं। पीडित परिवार ने आरोप लगाया कि घटना में शामिल आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं तथा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर निष्पक्ष जांच की जाए। साथ ही आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी कर पीडित परिवार को सुरक्षा उपलब्ध कराने की भी मांग की गई है। परिवार का कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

जनसुनवाई में त्वरित निस्तारण के निर्देश

हनुमानगढ़ (निंसी)। आमजन की परिवेदनाओं के त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण को लेकर गुरुवार को कलक्ट्रेट सभागार में जिला कलक्टर डॉ. खुशाल यादव की अध्यक्षता में जिला जन अभाव अभियोग एवं सतर्कता समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में पूर्व में प्राप्त 19 प्रकरणों की समीक्षा की गई तथा जनसुनवाई में परिवारों को सुनकर उनके शीघ्र समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। जिला कलक्टर ने प्रत्येक परिवारों की समस्या को संवेदनशीलता के साथ सुना और अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी पीलित मामलों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

बगड़िया बने अग्रवाल सम्मेलन के प्रदेश महामंत्री

चूरू । अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन (उत्तर-पश्चिमी राजस्थान) की युवा इकाई की ओर से चूरू के समाजसेवा राजेश बगड़िया को प्रदेश महामंत्री की जिम्मेदारी सौंपी है। उनकी इस नियुक्ति से अग्रवाल समाज में खुशी की लहर दौड़ गई। इस दौरान समाज के वरिष्ठजनों, पदाधिकारियों व विभिन्न सामाजिक संगठनों ने उनका माल्यांण कर स्वागत किया और उन्हें ध्वाइयां दीं। गौरतलब है राजेश बगड़िया का सामाजिक कार्यों से गहरा जुड़ाव, संगठनात्मक अनुभव और सेवा भावी व्यक्तित्व होने के कारण उनकी यह दायित्व सौंपी गया है। संप्रतन के पदाधिकारियों ने बताया बगड़िया की नियुक्ति से समाज को नई दिशा मिलेगी।

सड़क चौड़ाईकरण

की कार्रवाई शुरू

सीकर । शहर में बढ़ते यातायात दबाव को कम करने तथा मास्टर प्लान के अनुसार सड़क नेटवर्क को विकसित करने की दिशा में नगर परिषद सीकर ने एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया है। वरिष्ठ आयुक्त शशिकांत शर्मा के निर्देशानुसार को बसंत विहार से आगे विनायक हॉस्पिटल के पास से पूर्व दिशा की ओर 3० फीट सड़क चौड़ाईकरण के लिए मौके पर दायनं प्रत्यक्ष दृकिया नर्सिंग कॉलेज, निशानदेही की गई। नगर परिषद के अनुसार यह सड़क योजना गोदाम से होते हुए गहलोत मोर्टस तक मास्टर प्लान एवं जोनल प्लान के अनुरूप चौड़ी की जाएगी, जिससे क्षेत्र में यातायात सुगम होगा और भविष्य में होने वाले शहरी विकास को गति मिलेगी। इस कार्य के लिए गठित टीम ने बसंत विहार से पूर्व दिशा में कैला गोदाम से होते हुए गहलोत मोर्टस तकहोते हुए आम रास्ते में आ रहे अवैध निर्माण एवं अतिक्रमण की निशानदेही की। कार्रवाई के दौरान सहायक नगर नियोजन नरेन्द्र कुमार नट, कनिष्ठ अभियंता पिति चौधरी, संबंधित जोन निरीक्षक, नगर परिषद का प्रवर्तन दस्ता तथा सुबेदार राकेश अपनी टीम सहित उपस्थित रहे।

नशा मुक्त युवा ही विकसित भारत की

सबसे बड़ी ताकत : डॉ. अरूण गर्ग

मानव तस्करी के खिलाफ झुंझुनूं का संकल्प, जागरूकता पोस्टर जारी

झुंझुनूं । विश्व एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग दिवस के अवसर पर गुरुवार को झुंझुनूं में मानव तस्करी जैसी गंभीर सामाजिक बुराई के खिलाफ व्यापक जनजागरूकता अभियान आयोजित किया गया। जस्ट राइट फॉर चिल्ड्रेन, राजस्थान महिला कल्याण मंडल, चांचियावास-अजमेर एवं राजस्थान पुलिस के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र सिंह राजावत ने मानव तस्करी रोकथाम संबंधी जागरूकता पोस्टर का विमोचन कर अभियान का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र सिंह राजावत ने कहा कि मानव तस्करी मानवता के विरुद्ध सबसे जघन्य अपराधों में से एक है, जिसका शिकार सबसे अधिक बच्चे और महिलाएं होती हैं। उन्होंने कहा कि इस अपराध पर प्रभावी अंकुश तभी संभव है, जब पुलिस, प्रशासन,

■ विश्व एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग दिवस पर रेलवे स्टेशन पर चला हस्ताक्षर अभियान, बच्चों और महिलाओं की सुरक्षा के लिए जनभागीदारी का दिया संदेश

■ अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र सिंह राजावत ने कहा कि मानव तस्करी मानवता के विरुद्ध सबसे जघन्य अपराधों में से एक है

सामाजिक संस्थाएं और आमजन मिलकर जिम्मेदारी निभाएं।

उन्होंने लोगों से अपील की कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि, संदिग्ध व्यक्ति अथवा मानव तस्करी से जुड़े मामलों की सूचना तत्काल पुलिस को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई कर पीडितों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। पोस्टर विमोचन के बाद झुंझुनूं रेलवे स्टेशन पर मानव तस्करी के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से हस्ताक्षर अभियान आयोजित किया गया। अभियान के दौरान यात्रियों, रेलवे कर्मचारियों एवं

आमजन को मानव तस्करी के विभिन्न स्वरूपों, इसके दुष्परिणामों तथा इससे बचाव के उपायों की जानकारी दी गई। बड़ी संख्या में लोगों ने हस्ताक्षर कर मानव तस्करी के विरुद्ध समाज को जागरूक बनाने और इस अपराध के खिलाफ एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट से एएसआई सुरेश, कांस्टेबल अनिल, रेलवे स्टेशन अधीक्षक नरेन्द्र गहलोत, आरपीएफ इकाई प्रभारी राजीव राव, तथा राजस्थान महिला कल्याण मंडल की ओर से

सर्वेक्षण शुरू

हनुमानगढ़, (निंसी)। भारत सरकार के

सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के निर्देशानुसार राष्ट्रीय प्रतिर्देश सर्वेक्षण (एनएसएस) के 81वें दौर के तहत हनुमानगढ़ जिले में प्रवासन सर्वेक्षण (माईडोसन सर्वे) शुरू हो गया है। यह सर्वेक्षण जुलाई, 2०26 से जून, 2०27 तक चार चरणों में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में संचालित किया जाएगा। जिला कलक्टर डॉ. खुशाल यादव ने जिले के नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, सरपंचों, पार्षदों एवं प्रबुद्धजनों से सर्वेक्षण में सहयोग करने तथा प्रणणकों को सही एवं पूर्ण जानकारी उपलब्ध कराने की अपील की है। उन्होंने कहा कि नागरिकों द्वारा दी गई सभी जानकारीयों पूरी तरह गोपनीय रखी जाएंगी और उनका उपयोग केवल नीति निर्माण एवं विकास योजनाओं के लिए किया जाएगा। उपनिदेशक डॉ. ममता विश्‍नोई ने बताया कि सर्वेक्षण का कार्य जिला सांख्यिकी कार्यालय के प्रशिक्षित प्राणणकों द्वारा घर-घर जाकर किया जाएगा। सर्वे के दौरान परिवार की संरचना, मकान का प्रकार, मासिक व्यय, पिछले 365 दिनों में प्रवासन के कारण, परिवार से बाहर रहने वाले सदस्यों द्वारा भेजी जाने वाली राशि, अस्थायी प्रवासन तथा रोजगार, व्यवसाय और शिक्षा से संबंधित जानकारी सभी की जाएगी।

दीपेश मोदी की मिली एमबीबीएस की डिग्री, परिवार में खुशी की लहर

चिड़ावा । अखिल भारतीय

आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) जोधपुर के पंचवैद्य दीक्षांत समारोह का भव्य आयोजन हुआ। इस गरिमामय समारोह की मुख्य अतिथि भारत सरकार की स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा रसायन एवं उर्वरक राज्य मंत्री अनुप्रिया देव

■ गरिमामय समारोह की मुख्य अतिथि भारत सरकार की स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा रसायन एवं उर्वरक राज्य मंत्री अनुप्रिया देव

इसके अलावा पूर्वी राजस्थान अठावाल सम्मेलन के पूर्व कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष झंडीप्रसाद हिमतरामका, अठावाल जन कल्याण समिति के पूर्व अध्यक्ष दामोदरप्रसाद हिमतरामका, व्यापार मंडल अध्यक्ष महेश मालानी, युवा वैश्य महासम्मेलन के प्रदेश महामंत्री अनुज भोगेरिया, वरिष्ठ व्यवसायी रमेश गाडिया, अठावाल जन कल्याण समिति के संस्थापक महामंत्री (पूर्व) प्रिंसिपल प्रदीप मोदी, श्रीकांत हलवाई, महेश

सर्फ, अठावाल जन कल्याण समिति के पूर्व महामंत्री कृष्ण कुमार बाबुका, राकेश बाबुका, अनिल रामभरोसा, युवा वैश्य महासम्मेलन के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य विष्णु चौधरी, शिक्षाविद् अनिल गुप्ता, लक्ष्मीकांत अड्डकिया, राकेश वेद, पूर्व सहवृत्त सदस्य कपिल भोगेरिया, कन्हैया लाठ, प्रकाश मोदी, राजेश वेद, सुरारी किठानिया, महेश मोदी, गणेश अठावाल, किशन गोयल, दिनेश झुंझुनवाला, रजनीकांत ककरानिया पिंद्, अमित सुशील गोयल, विजेंद्र गोयल दिलखुश, सौरभ-राहुल सुलतानिया, पूर्व सहवृत्त सदस्य एवं बाल कल्याण समिति की पूर्व सदस्य मनीषा केडिया, सीए महेश मोदी, प्रशांत पिचानवेवाला, आशीष अठावाल गाडाखेड़ा, पुनित मोदी, वैभव बगड़िया, नितिन केडिया आदि ने बधाई दी है। दीपेश, युवा अठावाल सम्मेलन के पूर्व जिलाध्यक्ष महेंद्र मोदी के भतीजे है।

सीकर । अतिरिक्त जिला

राकेश कुमार मीणा सीकर एवं उपखंड अधिकारी, लक्ष्मणगढ़ मोहर सिंह मीणा ने गुरुवार को जिला चिकित्सालय, लक्ष्मणगढ़ का निरीक्षण कर अस्पताल में संचालित विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

नियरक्षक के दौरान उन्होंने ओपीडी, आपातकालीन सेवाएं, प्रसूति कक्ष, एमसीएच विंग, प्रयोगशाला, एक्स-रे, सोनोग्राफी, दवा वितरण केन्द्र, प्रधानमंत्री दवा औषधि केन्द्र, डायलिसिस यूनिट, एनसीडी क्लिनिक, टीबी एवं निक्षय सेवाएं, टीकाकरण व्यवस्था, ब्लाड स्टोरेज यूनिट तथा हब एंड स्प्रोक मॉडल के अंतर्गत संचालित कृष्णा लैब सहित विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों एवं रेफरल सेवाओं की समीक्षा की।अधिकारियों ने वार्डों में भर्ती मरीजों एवं प्रसूताओं से संवाद कर उन्हें उपलब्ध कराई जा रही चिकित्सकीय सेवाओं, दवाइयों की उपलब्धता, पोषण आहार, स्वच्छता एवं अन्य सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने चिकित्सकों एवं नर्सिंग स्टाफ को उच्च जोखिम गर्भावस्था (हाई रिस्क प्रेगनेंसी) की समय पर पहचान कर समुचित प्रबंध सुनिश्चित करने, आवश्यक जांचें समय पर कराने, जोखिमयुक्त गर्भवती महिलाओं की नियमित मॉनिटरिंग करने तथा

शतायु विद्वान गणितज्ञ डॉ. घासीराम वर्मा का शताब्दी जन्मोत्सव कल

झुंझुनूं । शिक्षा और गणित के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले प्रख्यात गणितज्ञ डॉ. घासीराम वर्मा के 1०0वें जन्मदिवस (शताब्दी समारोह) का भव्य आयोजन एक अगस्त 2०26, शनिवार को शाम 5 बजे महर्षि दयानंद महिला शिक्षण संस्था समिति, झुंझुनूं के महाविद्यालय सभागार में आयोजित किया जाएगा। जानकारी देते हुए संस्था सचिव डॉ. हनुमान प्रसाद ने बताया कि इस ऐतिहासिक अवसर पर शिक्षा, समाजसेवा और बौद्धिक जगत से जुड़े अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहकर शतायु विद्वान के प्रति अपनी श्रद्धा और सम्मान व्यक्त करेंगे।

आयोजकों के अनुसार समारोह में डॉ. घासीराम वर्मा के शिक्षा, गणित और समाज के प्रति दिए गए अमूल्य योगदान को स्मरण करते हुए उनका नागरिक अभिनंदन किया जाएगा। कार्यक्रम में उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर वक्ताओं द्वारा विचार रखे जाएंगे तथा उनके दीर्घ एवं प्रेरणादायी जीवन पर प्रकाश डाला जाएगा। समारोह के उपरांत संस्था के छात्रावास में सभी आमंत्रित अतिथियों

में डॉ. घासीराम वर्मा के शिक्षा, गणित और समाज के प्रति दिए गए अमूल्य योगदान को स्मरण करते हुए उनका नागरिक अभिनंदन किया जाएगा। कार्यक्रम में उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर वक्ताओं द्वारा विचार रखे जाएंगे तथा उनके दीर्घ एवं प्रेरणादायी जीवन पर प्रकाश डाला जाएगा। समारोह के उपरांत संस्था के छात्रावास में सभी आमंत्रित अतिथियों

विकास अधिकारी

पर मानसिक

प्रताड़ना का आरोप

चूरू । पंचायत समिति चूरू की ग्राम पंचायत श्योपुरा के प्रशासक श्रवण कुमार ने विकास अधिकारी कुलवर्त भाकर पर मानसिक एवं प्रशासनिक प्रताड़ना का आरोप लगाते हुए जिला कलेक्टर के नाम सीईओ खेता कोचर को अपना इस्तीफा सौंपा। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच और आवश्यक कार्रवाई की मांग की। कलेक्टर को दिए गए पत्र में प्रशासक ने आरोप लगाया कि विकास अधिकारी द्वारा बिना कारण निर्माण कार्यों की स्वीकृति एवं भुगतान से जुड़ी फाइलों को रोकना जा रहा है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना की किस्त जारी करने के बदले रूपयों की मांग की जा रही है। साथ ही अनुचित दबाव बनाकर कार्यों में बाधा उत्पन्न की जा रही है, जिससे पंचायत के विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं। पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि लगातार हो रही मानसिक प्रताड़ना और अवसरहीन व्यवहार के कारण वे स्वतंत्र एवं सुचारु रूप से अपने दायित्वों की निर्वहन नहीं कर पा रहे हैं। इसी कारण उन्होंने प्रशासनिक पद से इस्तीफा देने का निर्णय लिया ।

मौसमी बीमारियों की

रोकथाम के निर्देश

आवश्यकता पड़ने पर उच्च चिकित्सा संस्थान में समय पर रेफर करने के निर्देश दिए। साथ ही सुरक्षित मातृत्व एवं गुणवत्तापूर्ण प्रसूति सेवाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर बल दिया।निरीक्षण के दौरान उन्होंने चिकित्सालय परिसर में साफ-सफाई, पेयजल व्यवस्था, जैव-चिकित्सा एंण्टिफे प्रबंधन तथा मरीजों की सुविधा के लिए स्थापित हेल्प डेस्क का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की सरहना की।बरसात के मौसम के, दूधिटग रखते हुए उन्होंने डेंगू, मलेरिया एवं जलजनित रोगों की रोकथाम के लिए एंटी-लार्वा गतिविधियों की नियमित मॉनिटरिंग, फॉगिंग, जल स्रोतों की जांच, चिकित्सालय परिसर एवं जलों पर जलप्रवाह रोकने तथा आमजन में जनजागरूकता बढ़ाने के निर्देश दिए। साथ ही आवश्यक जीवनरक्षक एवं अन्य दवाइयों की आवश्यकता पड़ने पर स्थानीय स्तर पर नियमानुसार खरीद प्रक्रिया समय पर पूर्ण करने के निर्देश भी दिए।निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को चिकित्सालय में संचालित प्रसव सखी पहल, डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं, एनसीडी स्क्रीनिंग, गुणवत्तापूर्ण आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं, ग्रीनी हित में किए जा रहे नवाचारों तथा अस्पताल में उपलब्ध विशेषज्ञ सेवाओं की जानकारी दी गई।

■ महर्षि दयानंद महिला शिक्षण संस्था समिति के सभागार में होगा आयोजन, शतायु विद्वान के प्रति अपनी श्रद्धा और सम्मान व्यक्त करेंगे

के लिए स्नेहभोज की व्यवस्था की गई है। आयोजकों ने सभी अतिथियों से समय पर पहुंचने का आटाह करते हुए अनुरोध किया है कि वे किसी प्रकार का उपहार साथ लेकर न आएँ। सम्मान केवल पुष्पमाला एवं गुलदस्ते से किया जाएगा, जिसकी व्यवस्था संस्था द्वारा ही की जाएगी।

संस्थान के समस्त पदाधिकारियों एवं सदस्यगण ने शिक्षा जगत, पूर्व विद्यार्थियों, समाज के प्रबुद्ध नागरिकों तथा विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों से इस ऐतिहासिक शताब्दी समारोह में सहभागिता निभाकर कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाने की अपील की है।

बजरी से भरी

ट्रैक्टर-टॉली जब्त

पंचेरी कलां। जिले में अवैध खनन और बजरी के अवैध परिवहन पर कार्रवाई करते हुए पंचेरी कलां थाना पुलिस ने गुरुवार को बजरी से भरी एक ट्रैक्टर-टॉली जब्त कर कार्रवाई को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधीक्षक कान्वेन्द्र सिंह सागर के निर्देश, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र सिंह राजावत के मार्गदर्शन तथा बुहाना वृत्ताधिकारी नोपाराम भाकर के सुपरविजन में थानाधिकारी लक्ष्मीनारायण के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने यह कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार अवैध खनन एवं परिवहन के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस टीम गश्त के दौरान श्योपुरा गांव के मोड़ पर पहुंची। इस दौरान एक लाल रंग का ट्रैक्टर बजरी से भरी टॉली के साथ आता दिखाई दिया। पुलिस ने वाहन को रुकवाकर जांच की तो चालक ने अपनी पहचान रावकरण पृथु नित्याद्र निवासी श्योपुरा, थाना पंचेरी कलां के रूप में बताई। पूछताछ में चालक ने स्वीकार किया है वह बापडोली नदी से अवैध रूप से बजरी का खनन कर परिवहन कर रहा था। जब उससे बजरी के रक्बा, अनुज्ञापत्र अथवा बिल्टी मांगी गई तो वह कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। इस पर पुलिस ने आरोपी को मौके पर गिरफ्तार कर ट्रैक्टर-टॉली सहित बजरी को जब्त कर लिया। आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में प्रकरण दर्ज कर अटॉम अनुसंधान किया जा रहा है। कार्रवाई में पुलिस टीम में थानाधिकारी लक्ष्मीनारायण, पुलिस थाना पंचेरी कलां,सहायक उपनिरीक्षक रामचंद्र , हेड कांस्टेबल पूर्णलाल , हेड कांस्टेबल आशाराम ,कांस्टेबल सुनील शामिल रहे।

कार्यालय सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग, जयपुर	
राजस्थान सार्वजनिक प्रत्यास अधिनियम 1९५९ की धारा 2३ के अंतर्गत नोटिस समस्त सार्वभौमिक व्यक्तियों को मुकदमा नम्बर 25/2026	
(नाम, वर्णन तथा निवास स्थान)	
शुक्ति श्री चन्द्रशेखर शर्मा पुत्र श्री पवन कुमार शर्मा निवासी मण्डी गेट वार्ड नं. 6 नवलगढ़ जिला झुंझुनू राजस्थान ने राजस्थान सार्वजनिक प्रत्यास अधिनियम 1९५९ की धारा 23 के अन्तर्गत प्रत्यास मीटर श्री १७०२ गोपीनाथ जी मीटर दूरदू नवलगढ़ जिला झुंझुनू न्यायस प्रभाग मण्डी की नवावारी का निम्न होे जाने से असहमता मय दर्ज अभिलेखों से हेताने व उनके सन पर न्याय की बैठक दिनांक ०1.०८.२02६ में हियेये ये प्रस्ताव अनुसार श्री चन्द्रशेखर शर्मा को निम्न न्यासी मनीनिक कर उनका नाम दर्ज अभिलेख करने हेतु जांच किये जाने के लिए प्रथम-8 में आवेदन-पत्र दिया है।	
अतएव धारा 2३ में प्रस्त शर्तियों के अन्वये में अर्जुक प्रत्यास मीटर परितर्क/शरीरानुसन्धिकी जांच की जा रही है, मे हिये खर्चे वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रतियुक्त किया जाता है कि इस नोटिस के जारी होने की तारीख से तेस दिन के भीतर उत्तर प्रत्यास के सम्बन्ध में अतिर्याति, यदि कोई होे प्रस्तुत करे।	
अतः यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट उत्तर के भीतर कोई अतिर्याति प्रस्तुत नहीं की गई तो अत आवेदन पत्र निरातिर्याति रीति से निमित्त किया जाओगा तथा जांच प्रसित मामले में निष्कर्ष अतिरिक्तित्त किया जाओगा।	
आज दिनांक 2३.०7.२०26 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय महौर के अर्जित जांच किया गया।	
आज्वा दिनांक पेशी ०1.०८.2०2६	

सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग, जयपुर	कोर अटलन

कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति झुंझुनूं

Tel. No.- 01592-239369 Email. – kums.jhunjhu@rajasthan.gov.in

क्रमांक:-161-174

दिनांक:-28.07.2026

आवंटन विज्ञप्ति

कृषि उपज मण्डी समिति झुंझुनूं के नवीन मण्डी प्रांगण में रिक्त दुकानों के मुखण्ड का 99 वर्षीय लीज पद्धति पर अवल सम्पत्ति आवंटन नीति 2005 के प्रावधान एवं संशोधित प्रावधानों के अन्तर्गत द्वितीय चरण के अनुसार आवंटन अनुज्ञापत्रकारी व्यापारी / व्यक्ति / कृषक महिला (अनु. जाति) को राज्य सरकार द्वारा निर्धारित शर्तों एवं द्वितीय एवं परदातवर्ती चरणों के अनुसार निर्धारित दर पर किया जाना है। इच्छुक व्यक्ति / आवेदन कर्ता / निविदादाता आवेदन फॉर्म मण्डी समिति कार्यालय से 500 रु. नकद जमा करवाकर दिनांक 07.09.2026 को 6 P.M बजे तक किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय से प्राप्त कर दिनांक 09.09.2026 को 6 P.M बजे तक कार्यालय में जमा कर सकते है। आवेदन पत्र के साथ बैंक ड्राफ्ट / बैंक बैक धरोहर राशि के जमा कराना आवश्यक होगा। आवंटित किये जाने वाले दुकानों के मुखण्डों का विवरण निम्नानुसार है:-

क्र. सं.	क. मुखण्ड / दुकान की अवस्थिति	मुखण्ड / दुकान का प्रकार	मुखण्ड संख्या	मुखण्ड साईज	धरोहर राशि	विधि
1	अनाज मण्डी	फुटकर दुकान हेतु मुखण्ड दुकान मय प्लेटफॉर्म	F-3,9,13,17	10' ×25'	10,000	अनु. जाति / जनजाति / जातिद्वे उत्पन्न है /
2	फल सब्जी मण्डी	मुखण्ड दुकान मय प्लेटफॉर्म	F-4,5	20.6' ×65'	30,000	अनुज्ञापत्रकारी सख हेतु
3	फल सब्जी मण्डी	कोल्ड स्टोरेज	1	100' ×80'	50,000	सामान्य सख हेतु

मण्डी समिति की ऐसी अनुज्ञापत्रकारी फर्म जिनको मण्डी प्रांगण में पूर्व में ही दुकान आवंटित है, वे दुकान आवेदन हेतु पात्र नहीं होगी। फुटकर दुकानों की आवंटन के लिए खाद-बीज, दवाइयों का व्यवसाय करने के इच्छुक फर्म को कृषि विभाग से तथा वाददाना और पशुआहार का व्यवसाय करने के इच्छुक फर्म को वाणिज्य कर विभाग से अनुज्ञापत्र / पंजीकृत होना अनिवार्य होगा।फुटकर दुकानों का आवंटन खाद, बीज, दवाइयों, वाददाना, पशुआहार, कृषि साहित्य, कृषि यंत्र वायदा बाजार केन्द्र / बायो प्रोसेसड दुकान, सर्टिफिकेशन लेब, डेटेटींग क्वेटोरीटी, भी सेवा आयोग द्वारा प्रमाणित उत्पादों के केन्द्र, निर्यात सलाह केन्द्र, सरस विपणन केन्द्र, एन टी.डी पी.सी.ओ एवं जैविक उत्पाद विक्रय हेतु किया जायेगा। मुखण्ड की अन्य शर्त किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में कार्यालय में उपस्थित होकर अवलोकन की जा सकती है। एवं sppp शर्टल पर भी देखी जा सकती है।

राज.संवाद /सी / 26 / 8071

प्रासासक

सचिव



मुझे कहना होगा कि हॉकी इंडिया ने कई अच्छे काम किए हैं, लेकिन यह फैसला शर्मनाक है। भारतीय टीम की पहचान और विरासत हमेशा से नीला रंग रही है। मैंने कई सालों तक गर्व के साथ नीली जर्सी पहनी है। - विरेन रासिकन्हा

पूर्व भारतीय कप्तान, भारतीय हॉकी टीम के भगवा रंग को लेकर बोलते हुए।



खेल जगत

आज का खिलाड़ी



स्टीफन फ्लेमिंग

इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने बड़ा फैसला लेते हुए पूर्व न्यूजीलैंड कप्तान स्टीफन फ्लेमिंग को इंग्लैंड पुरुष टेस्ट टीम का नया मुख्य कोच नियुक्त कर दिया। इसके साथ ही अनुभवी बल्लेबाज जो रूट को एक बार फिर टेस्ट टीम की कप्तानी सौंप दी गई है। निजुक्ति के बाद स्टीफन फ्लेमिंग ने कहा,

क्या आप जानते हैं ?... जोशाना चिनप्पा ने सीनियर नेशनल स्कवैश चैंपियनशिप में रिकॉर्ड 17 बार जीत हासिल की है।

राष्ट्रमंडल खेल, 31 जुलाई, 2026

5

राष्ट्रमंडल खेल 2026 : दिलीप गावित ने जीता स्वर्ण, मो. बासिल को रजत



ग्लासगो, 30 जुलाई। राष्ट्रमंडल खेल 2026 में भारतीय पैरा एथलेटिक्स दल ने बुधवार को इतिहास रच दिया। दिलीप गावित और मोहम्मद बासिल ने पुरुषों की 100 मीटर टी47 स्पर्धा में क्रमशः स्वर्ण और रजत पदक जीतकर भारत को ऐतिहासिक डबल पોडियम दिलाया। दिलीप गावित ने 1०.71 सेकंड का समय निकालते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। उनका यह प्रदर्शन



राष्ट्रमंडल खेलों का नया रिकॉर्ड भी बन गया। वहीं मोहम्मद बासिल ने 1०.83 सेकंड के साथ रजत पदक हासिल किया। दोनों भारतीय खिलाड़ियों ने इस प्रतियोगिता में अपना सीजन का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। राष्ट्रमंडल खेल 2026 में भारत का यह तीसरा स्वर्ण पदक है। इससे पहले भारोचोलन में मीराबाई चानू और पैरा शॉटपुट में शर्मिला धनकर भारत को स्वर्ण पदक दिला चुकी है।

संघर्ष से शिखर तक दिलीप का सफर

महाराष्ट्र के नासिक जिले के निकट स्थित छोटे से गांव तोरण डोंगरी में एक साधारण किसान परिवार में जन्मे दिलीप गावित का जीवन संघर्षों से भरा रहा है। बचपन में वह अपने माता-पिता के साथ खेलों में काम करते थे। महज पांच-छह वर्ष की उम्र में पेड़ से गिरने के कारण उनके दाहिने हाथ में गंभीर चोट लग गई। समय पर उचित इलाज नहीं मिलने से चोट गंभीरता में बदल गई और कोहनी के नीचे से उनका हाथ काटना पड़ा। विपरीत परिस्थितियों के बावजूद दिलीप ने हार नहीं मानी और पैरा एथलेटिक्स में अपनी पहचान बनाई। उन्होंने इसी वर्ष इंडिया ओपन और नई दिल्ली ग्रां ग्री में स्वर्ण पदक जीते थे। इसके अलावा 2022 एशियाई पैरा खेलों में पुरुषों की 400 मीटर टी47 स्पर्धा का स्वर्ण पदक भी उनके नाम है। ग्लासगो में 100 मीटर टी47 स्पर्धा में दिलीप और मोहम्मद बासिल का शानदार प्रदर्शन भारतीय पैरा एथलेटिक्स के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि माना जा रहा है। दोनों खिलाड़ियों ने एक साथ पौडियम पर स्थान बनाकर भारत का गौरव बढ़ाया और राष्ट्रमंडल खेलों में देश के पदकों की संख्या में महत्वपूर्ण इजाफा किया।

अनिमेष कुजूर ने सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 200 मीटर के सेमीफाइनल में प्रवेश किया



ब्राजील से भिड़ सकती है भारतीय फुटबॉल टीम

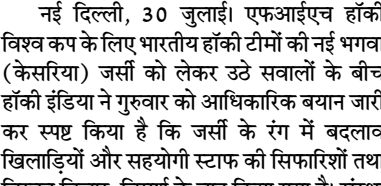
नई दिल्ली, 30 जुलाई। पांच बार की वर्ल्ड चैंपियन ब्राजील की पुरुष फुटबॉल टीम 3 अक्टूबर को कोलकाता में भारत के खिलाफ इंटरनेशनल फ्रेंडली मैच खेल सकती है। यह मुकाबला ब्राजील के 2026 इंटरनेशनल कैलेंडर का हिस्सा है। हालांकि, एआइएफएफ और ब्राजीलियन फुटबॉल कन्फेडरेशन ने अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद भारत आएगी ब्राजील टीम - रिपोर्ट के मुताबिक, ब्राजील टीम सितंबर-अक्टूबर फीफा विंडो में तीन इंटरनेशनल फ्रेंडली मैच खेलेगी। पहले दो मुकाबले 25 और 29 सितंबर को ऑस्ट्रेलिया के टाउन्सविले और ब्रिस्बेन में होंगे। इसके बाद 3 अक्टूबर को कोलकाता में भारत के खिलाफ तीसरा और आखिरी मैच प्रस्तावित है। लंबे समय से चल रही थी चर्चा पिछले एक हफ्ते से ब्राजील के भारत दौरे को लेकर अटकलें तेज थीं।

यूईई अंडर-19 विमेंस टी-20 वर्ल्ड कपकेलिए क्वालीफाई

नई दिल्ली, 30 जुलाई। यूईई महिला क्रिकेट टीम ने मेजबान मलेशिया की 20 वनडे अंडर-19 विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप के लिए क्वालीफाई कर लिया। एशिया क्वालिफायर का फाइनल बायुमास ओवल में खेला गया। यूईई पहले बल्लेबाजी करते हुए 19.3 ओवर में 95 रन पर ऑलआउट हो गईं। हालांकि मलेशिया को 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 94 रन के स्कोर पर रोककर मैच जीत लिया। आठ टीमों के इस रीजनल क्वालीफायर की शुरुआत 23 जुलाई को हुई थी। अंडर-19 विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप के अब तक 2 एडिशन खेले गए हैं। 2023 और 2025 में दोनों बार भारत ने जीत दर्ज की थी।

जर्सी के भगवा रंग पर हॉकी इंडिया की सफाई, कहा- खिलाड़ियों और कोचों की तकनीकी सलाह पर हुआ फैसला



नई दिल्ली, 30 जुलाई। एफआईएच हॉकी विश्व कप के लिए भारतीय हॉकी टीमों को नई भगवा (केसरिया) जर्सी को लेकर उठे सवालों के बीच हॉकी इंडिया ने गुरुवार को आधिकारिक बयान जारी कर स्पष्ट किया है कि जर्सी के रंग में बदलाव खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ की सफारिशों तथा विस्तृत विचार-विमर्श के बाद किया गया है। संस्था ने कहा कि इस फैसले का मुख्य आधार तकनीकी जरूरत थी, न कि कोई अन्य कारणा।

हॉकी इंडिया के अनुसार खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ ने महसूस किया कि पारंपरिक नीली जर्सी अंतरराष्ट्रीय हॉकी में प्रचलित नीले सिंथेटिक टर्फ के साथ काफी हद तक मेल खाती है। इससे खिलाड़ियों को मैदान पर एक-दूसरे को पहचानने और दृश्य स्पष्टता बनाए रखने में कठिनाई होती थी।



इसी कारण खिलाड़ियों और कोचों ने पीले या केसरिया रंग जैसे वैकल्पिक विकल्प सुझाए।

बयान में कहा गया कि सभी सुझावों पर विचार करने के बाद केसरिया रंग को अंतिम रूप दिया गया। यह रंग न केवल तकनीकी दृष्टि से उपयुक्त है, बल्कि भारतीय राष्ट्रीय ध्वज के तीन रंगों में से एक होने के कारण साहस, त्याग और राष्ट्रीय गौरव का भी प्रतीक है। हॉकी इंडिया ने स्पष्ट किया कि राष्ट्रीय टीम की

संतोष और यशस पुरुषों की 400 मीटर बाधा दौड़ के फाइनल में

ग्लासगो, 30 जुलाई। भारतीय एथलीट यशस पलाक्षा और संतोष के तमिलरासन ने बुधवार को यहां राष्ट्रमंडल खेलों की पुरुषों की 400 मीटर बाधा दौड़ के फाइनल में जगह बना ली। दोनों खिलाड़ियों ने अपनी हीट में सबसे तेज दो क्वालीफायर के बाद तीसरे स्थान पर रहते हुए (फास्टेस्ट लुजर) के रूप में फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। संतोष ने दूसरी हीट में 49.51 सेकंड का समय लेकर तीसरा स्थान हासिल किया जबकि यशस पहली हीट में 49.65 सेकंड का समय निकालते हुए तीसरे स्थान पर रहे। दोनों खिलाड़ियों ने अपनी हीट में तीसरे स्थान पर रहकर फाइनल में प्रवेश किया। संतोष कुल मिलाकर सातवें और यशस आठवें स्थान पर रहे। तीन हीट में शीर्ष दो स्थान पर रहने वाले धावकों ने सीधे आठ खिलाड़ियों के फाइनल के लिए क्वालीफाई किया।

रहाणे ने भारतीय क्रिकेट से मिले अनुभवों को याद करते हुए कहा, "प्रथम श्रेणी क्रिकेट में पदार्पण करने के बाद से पिछले 20 वर्षों में भारतीय क्रिकेट ने जबरदस्त प्रगति की है और उसका हिस्सा बनना मेरे लिए गर्व की बात है। एक भारतीय क्रिकेटर के रूप में मेरा अध्ययन भूते समाप्त हो रहा हो, लेकिन खेल के साथ मेरी यात्रा खत्म नहीं हुई है।

ह्राणे ने भारतीय क्रिकेट से मिले अनुभवों को याद करते हुए कहा, "प्रथम श्रेणी क्रिकेट में पदार्पण करने के बाद से पिछले 20 वर्षों में भारतीय क्रिकेट ने जबरदस्त प्रगति की है और उसका हिस्सा बनना मेरे लिए गर्व की बात है। एक भारतीय क्रिकेटर के रूप में मेरा अध्ययन भूते समाप्त हो रहा हो, लेकिन खेल के साथ मेरी यात्रा खत्म नहीं हुई है।

लक्ष्य क्रिकेट एकेडमी 3 विकेट से विजेता

जयपुर, 30 जुलाई। मरुघर क्रिकेट एकेडमी द्वारा आयोजित द्वितीय अंडर-17 मरुघर क्रिकेट कप में खेले गये मैच में मरुघर क्रिकेट एकेडमी और लक्ष्य क्रिकेट एकेडमी के मध्य खेले गये मैच में टॉस जीत कर मरुघर क्रिकेट एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। मरुघर क्रिकेट एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 177/10 34.3 में ऑल आउट हो गईं। मरुघर क्रिकेट एकेडमी की ओर से सचिन गुर्जर ने 85 रन, अमन यादव ने 30 रन और लवेश शर्मा ने 18 रन बनाये। लक्ष्य क्रिकेट एकेडमी और से गेदबाजी करते हुए हेमंत सैनी ने 41 रन देकर 3 रन विकेट, अशिशू माली ने 46 रन देकर 2 विकेट, ओविश जागिंड ने 27 रन देकर 2 विकेट और तेंजस जोशी ने 18 रन देकर 2 विकेट लिया।



जर्सी के रंग में बदलाव कोई नई बात नहीं है। समय-समय पर व्यावहारिक और तकनीकी आवश्यकताओं के अनुसार टीम की जर्सी में बदलाव किए जाते रहे हैं। उदाहरण के तौर पर 2014 एफआईएच हॉकी विश्व कप के दौरान भारतीय टीम ने पीले रंग की जर्सी पहनी थी, जबकि 2018 एफआईएच हॉकी विश्व कप में टीम की जर्सी का रंग आसमानी नीला रखा गया था और उसका डिजाइन भी पूरी तरह बदला गया था।

हॉकी इंडिया ने अपने बयान के अंत में दोहराया कि मौजूदा केसरिया जर्सी का निर्णय पूरी तरह खिलाड़ियों और कोचों से मिले तकनीकी फीडबैक तथा राष्ट्रीय ध्वज से जुड़े इस रंग के प्रतीकात्मक महत्व को ध्यान में रखकर लिया गया है। इससे खिलाड़ियों को मैदान पर बेहतर दृश्यता मिलेगी।

श्रीशंकर ने लंबी कूद में जीता रजत एथलेटिक्स में भारत की चमक बरकरार

ग्लासगो, 30 जुलाई। भारत के स्टार लंबी कूद खिलाड़ी मुरली श्रीशंकर ने राष्ट्रमंडल खेल 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्थानीय समयानुसार बुधवार को पुरुषों की लंबी कूद स्पर्धा का रजत पदक अपने नाम किया। इसके साथ ही उन्होंने बर्मिंघम 2022 में जीते गए रजत पदक की सफलता को दोहराया और लगातार दूसरी बार राष्ट्रमंडल खेलों के पौडियम पर जगह बनाई। 27 वर्षीय श्रीशंकर ने अपने छह प्रयासों में दूसरे प्रयास में 8.09 मीटर की छलांग लगाई, जो उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा। हालांकि दो प्रयास फाउल रहे, लेकिन पूरे मुकाबले में वह पदक की दौड़ में बने रहे। स्वर्ण पदक जर्मेका के तीन बार के विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता ताजे गेल ने जीता। गेल ने चौथे प्रयास में 8.15 मीटर की छलांग लगाकर मुकाबले पर निर्णायक बढ़त

श्रीशंकर ने लंबी कूद में जीता रजत एथलेटिक्स में भारत की चमक बरकरार



ग्लासगो, 30 जुलाई। भारत के स्टार लंबी कूद खिलाड़ी मुरली श्रीशंकर ने राष्ट्रमंडल खेल 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्थानीय समयानुसार बुधवार को पुरुषों की लंबी कूद स्पर्धा का रजत पदक अपने नाम किया। इसके साथ ही उन्होंने बर्मिंघम 2022 में जीते गए रजत पदक की सफलता को दोहराया और लगातार दूसरी बार राष्ट्रमंडल खेलों के पौडियम पर जगह बनाई। 27 वर्षीय श्रीशंकर ने अपने छह प्रयासों में दूसरे प्रयास में 8.09 मीटर की छलांग लगाई, जो उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा। हालांकि दो प्रयास फाउल रहे, लेकिन पूरे मुकाबले में वह पदक की दौड़ में बने रहे। स्वर्ण पदक जर्मेका के तीन बार के विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता ताजे गेल ने जीता। गेल ने चौथे प्रयास में 8.15 मीटर की छलांग लगाकर मुकाबले पर निर्णायक बढ़त



ग्लासगो, 30 जुलाई। भारत के स्टार लंबी कूद खिलाड़ी मुरली श्रीशंकर ने राष्ट्रमंडल खेल 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्थानीय समयानुसार बुधवार को पुरुषों की लंबी कूद स्पर्धा का रजत पदक अपने नाम किया। इसके साथ ही उन्होंने बर्मिंघम 2022 में जीते गए रजत पदक की सफलता को दोहराया और लगातार दूसरी बार राष्ट्रमंडल खेलों के पौडियम पर जगह बनाई। 27 वर्षीय श्रीशंकर ने अपने छह प्रयासों में दूसरे प्रयास में 8.09 मीटर की छलांग लगाई, जो उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा। हालांकि दो प्रयास फाउल रहे, लेकिन पूरे मुकाबले में वह पदक की दौड़ में बने रहे। स्वर्ण पदक जर्मेका के तीन बार के विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता ताजे गेल ने जीता। गेल ने चौथे प्रयास में 8.15 मीटर की छलांग लगाकर मुकाबले पर निर्णायक बढ़त



महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर

निविदा सूचना

विश्वविद्यालय में स्टेशनरी आपूर्ति हेतु दर सविदा जारी की गयी हैं, जिसका यूबीएन **GSU2627GLRC00011** हैं । निविदा से संबंधित विस्तृत जान कारी <http://sppp.rajasthan.gov.in> व www.eproc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है ।

राज.संवाद/सी/26/8016

बित निर्यंत्रक



राजस्थान आवासन मण्डल

क्रमांक:- 117 दिनांक:- 30/07/2026

संशोधित ईपीसी निविदा सूचना संख्या: 09/2025-26

इस कार्यालय द्वारा जारी ईपीसी निविदा सूचना संख्या 09/2025-26 में संशोधन उपरान्त बिड़ प्रयत्र डाउनलोड व अपलोड करने की अन्तिम तिथि 07.08.2026 सांय 6:00 बजे तक, मुद्र प्रयत्र कार्यालय में जमा कराने की तिथि 10.08.2026 सांय 4:00 बजे तक, तकनीकी बिड़ खोलने की तिथि 12.08.2026 अपराह्न 3:00 बजे एवं वित्तीय बिड़ खोलने की तिथि 25.08.2026 प्रातः 11:00 बजे रहेगी। अन्य शर्तें मूल बिड़ अनुसार यथावत रहेगी।

राज.संवाद/सी/26/8101

अतिरिक्त मुख्य अभियंता-नृतीय, जयपुर



महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रायोगिक विश्वविद्यालय, उदयपुर (राज.)

क्रमांक—डीपीएम / मप्रकृषीविधि / निविदा / 2026-27 / 03 / 7175 दिनांक— 30.07.2026

निविदा सूचना –(03) / (2026-27)

कुलगुरु महोदय, म.प्र.कृषीविधि, उदयपुर की ओर से विश्वविद्यालय एवं समस्त अधीनस्थ इकाईयों हेतु विज्ञापन प्रकाशन सेवा (अनुमानित लागत रु. 15 लाख) की आपूर्ति के लिए मुरहरचन्द निविदाएं आमंत्रित की जाती है । समस्त शर्तें एवं विस्तृत विवरण www.eproc.rajasthan.gov.in व www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.mpuat.ac.in पर देखी जा सकती है ।

UBN : ATU2627SLRC00133

निदेशक (आयोजना एवं परीक्षेक्षण निदेशालय)



कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति, धौलपुर

क्रमांक:- 417 दिनांक:- 20/07/2026

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

कृषि उपज मंडी समिति, धौलपुर में वित्तीय वर्ष 2026-27 हेतु निम्न व्यवस्थाओं के लिए रजिस्टर्ड प्रतिष्ठित फर्म/अधिकृत डीलर/विक्रेता को/संवदेको/ संस्थाओं से ऑन लाइन निविदाएं निम्नानुसार आमंत्रित की जाती है। निविदा अपलोड करने की अंतिम तिथि 04/08/2026 सांय 6:00 बजे तक एवं तकनीकी निविदा खोलने की दिनांक 05/08/2026 प्रातः 10 बजे

क्र.	व्यवस्था का नाम एवं UBN No.	अनु. राशि लाखों में	बिड सिक्कीयरी राशि रु.	निविदा शुल्क रु.	निविदा प्रोसेसिंग शुल्क रु.
1	मानव संसाधन उपायन सफाई ठेका UBN: DAM2627SL0B00361	20.00	0.40 लाख	500	1180
2	मानव संसाधन उपायन कम्प्यूटर अपरैटर अर्वाइल UBN: DAM2627SL0B00362	12.00	0.24 लाख	500	1180
3	मानव संसाधन उपायन चौकीदार / इलेक्ट्रीशियन आपूर्ति। UBN: DAM2627SL0B00363	27.00	0.54 लाख	500	1180

निविदा सूचना एवं अन्य शर्तें ई-निविदा पोर्टल, sppp.rajasthan.gov.in एवं विभागीय वेबसाइट पर देखी जा सकती है। निविदा को सीलकृत / असीकृत करने का अधिकार मण्डी समिति को होगा।

प्रशासक सचिव
कृषि उपज मण्डी समिति, धौलपुर (राजो)

राज.संवाद/सी/26/8040



OFFICE OF THE MUNICIPAL BOARD, DEOGARH

Near Bus Stand Deogarh
Tel. No. 02904-252039
S.No. F ()/JMBD/Engg./E-NIB/07/2026-27/1843
Date :- 27-07-2026

Notice Inviting BID
NIB NO 07/2026-27

नगर पालिका देवगढ द्वारा निम्नांकित विकास कार्यों हेतु केन्द्र व राज्य सरकार के विभागो व अधिकृत संगठनो व स्वायत्त शासी संस्थाओं से उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से इलेक्ट्रोनिज फास्टेन्ट में ऑनलाईन निविदा आमन्त्रित की जाती है। निविदा सम्बन्धित विस्तृत विवरण व जानकारी वेबसाईट www.sppp.raj.nic.in or <http://eproc.rajasthan.gov.in> पर देखी एवं डाउनलोड की जा सकती है।

NIB CODE :- DLB2627A4876
UBN :- DLB2627WSOB11676, DLB2627WSOB11677, DLB2627WSOB11678, DLB2627WSOB11679, DLB2627WSOB11680
--: महत्वपूर्ण तिथियां --:

निविदा कार्यक्रम	तिथि व समय
कुल निविदा के कार्य	05
निविदा की अनुमानित लागत	110.35 लाख
निविदा प्रकाशन की तिथि	27.07.2026 09:00 AM
निविदा डाउनलोड प्रारम्भ तिथि	27.07.2026 09:00 AM
ऑनलाइन निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	05.08.2026 06:00 PM तक
भौतिक रूप से डिमाण्ड ड्रूपट जमा कराने की तिथि	06.08.2026 11:00 AM तक
ऑनलाइन निविदा खोलने की तिथि	06.08.2026 12:00 PM से
ऑनलाइन निविदा हेतु वेबसाईट	http://eproc.rajasthan.gov.in
दोष निवारण अवधि	नियमानुसार
राज.संवाद/सी/26/8024	अधिशायी अधिकारी नगर पालिका देवगढ



कार्यालय नगरपालिका मण्डल बसेडी, धौलपुर (राज.)

Email id :- baseri.jaipur21@gmail.com

क्रमांक:- न.पा.ब. / निर्माण / 2026 / 2863 दिनांक:- 27.07.2026

ई- निविदा सूचना संख्या 13/2026-27

आमंत्रण सूचना

नगरपालिका द्वारा निम्न कार्य हेतु केन्द्र सरकार व राज्य सरकार के विभागो में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से ई-प्रोक्युरमेंट प्रक्रिया के अन्तर्गत ऑनलाइन आमन्त्रित की जाती है। निविदा डाउनलोड एवं अपलोड करने की तिथि 25.07.2026 समय प्रातः 10:00 बजे से प्रारम्भ की जाकर निविदा अपलोड करने की अंतिम तिथि 03.08.2026 समय सांय 06:00 बजे तक होगी। एवं निविदा दिनांक 05.08.2026 को खोली जायेगी। तकनीकी निविदा में सफल संवेदकों की ही वित्तीय बिड खोली जायेगी।

निविदा फॉर्म ऑनलाइन वेबसाईट <http://eproc.rajasthan.gov.in> पर अपलोड व डाउनलोड की जायेगी। तथा ऑनलाइन वेबसाईट <http://sppp.rajasthan.gov.in> पर भी निविदा शर्तें देखी जा सकती है।

Sr.No.	UBN no.	Tender Id	Estimated Cost
1	DLB2627WSRC11691	2026_DLB_577560_1	17.12,880/-

राज.संवाद/सी/26/8047

अधिशायी अधिकारी
नगरपालिका बसेडी



कार्यालय नगर परिषद्, ब्यावर

Tel No. 01462-258665, 257599 Email Add: npbeawar@gmail.com

क्रमांक / निर्माण / 2026-27 / 5327 दिनांक:- 23.07.2023

ई-निविदा सूचना संख्या 08/2026-27

नगर परिषद, ब्यावर द्वारा कई श्यामाप्रसाद मुखर्जी जिला उल्थान योजनाअन्तर्गत 04 निर्माण कार्य परिषद के सम्बन्धित श्रेणी के पंजीकृत ठेकेदारों एवं सार्वजनिक निर्माण विभाग के सक्षम पंजीकृत ठेकेदारों से E-Procurement प्रक्रिया के तहत केवल www.eproc.rajasthan.gov.in की ऑनलाइन निविदा के माध्यम से निविदा आमंत्रित की जाती है। शुल्क 13.08.2026 प्रातः 06:00 बजे तक निविदा मरी जा सकती है एवं ई-निविदा फॉर्म विनियम एवं प्रोसेसिंग फीस की राशि नगर परिषद के IDFC First Bank के खाता संख्या 10123576694 आईएफ.सी. कोड IDFB0042185 में जमा काराकर बोली धरोहर का डी.डी. / बैंकर बैंक नगर परिषद, ब्यावर के निर्माण खाते में दिनांक 14.08.2026 को प्रातः 11 बजे से पूर्व जमा कराना अनिवार्य कराना अनिवार्य है। कुल 04 निर्माण कार्य कराये जाने है। ई-निविदा सूचना की समस्त शर्तें SPPP पोर्टल पर देखी जा सकती है।

जिसका **NIB CODE** DLB2627A4863 है एवं **UBN** NO. निम्नानुसार है--

- DLB2627WLOB11637
- DLB2627WLOB11638
- DLB2627WLOB11638
- DLB2627WLOB11640

राज.संवाद/सी/26/8075

नगर परिषद, ब्यावर



जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड

एडी. ऑफिस - विद्युत नगल, जयपुर-302005
Website:- <http://energy.rajasthan.gov.org/jvvn>
कार्यालय मुख्य अभियंता (सीट नगल), जयपुर पीएच. हबज, बार्ड रूम, बार्ड-रूम-324001
दूरभाष नं.- 0144-2320881, 2450066 ईमेल:- zcekz@jvvn.org

ई-निविदा सूचना

जयपुर डिस्कॉम में निम्न कार्य हेतु दो भागों में ई-निविदा (तकनीकी-वाणिज्यिक) एआरसी 2025 पर योग्य निविदादाताओं से श्रम दर पर आमंत्रित किये जाते हैं-- बारा वृत्त में, सहायक अभियंता (पवर) किशनगंज के अंतर्गत माधवा गौव में, आवेदक हथियादेह सिंघाई परियोजना (XEN जल संसाधन ब्लॉक III, बारा) के लिए 11 KV 3-फेज लाइन और 33/11 KV GSS बूजनगर में 11 KV व के निर्माण कार्य करने हेतु (टीएन-07/2026-27)। (UBN: VVN2627WSOB00252), सहायक अभियंता (पवर), किशनगंज के अंतर्गत कवारी कला गौव में, आवेदक हथियादेह सिंघाई परियोजना (XEN जल संसाधन ब्लॉक III, बारा) के लिए 11 KV 3-फेज लाइन और 33/11 KV GSS रेलाबन में 11 क्वी व के निर्माण कार्य करने हेतु (टीएन-08/2026-27)। (UBN: VVN2627WSOB00253) झालावाड वृत्त में उपखण्ड सहायक अभियंता (पवर-ग्रामीण), झालावाड के अंतर्गत 33/11 क्वी रूबी सब स्टेशन व इसके अंतर्गत 33 क्वी लाईन व 11 क्वी इंटरकनेक्शन के निर्माण कार्य करने हेतु (टीएन-09/2026-27)। (UBN: VVN2627WSOB00254) कोटा वृत्त में उपखण्ड सहायक अभियंता (एचटीएम-डीडी), कोटा के अंतर्गत 33/11 क्वी निमोदा सब स्टेशन व इसके अंतर्गत 33 क्वी लाईन व 11 क्वी इंटरकनेक्शन के निर्माण कार्य करने हेतु (टीएन-10/2026-27)। (UBN: VVN2627WSOB00255), सहायक अभियंता (एचटीएम-डीडी), कोटा के अंतर्गत 33/11 क्वी कसार सब स्टेशन व इसके अंतर्गत 33 क्वी लाईन व 11 क्वी इंटरकनेक्शन के निर्माण कार्य करने हेतु (टीएन-11/2026-27)। (UBN: VVN2627WSOB00256) बूंदी वृत्त में उपखण्ड सहायक अभियंता (पवर), के. पारतन के अंतर्गत 33/11 क्वी केशनगर सब स्टेशन व इसके अंतर्गत 33 क्वी लाईन व 11 क्वी इंटरकनेक्शन के निर्माण कार्य करने हेतु (टीएन-12/2026-27)। (UBN: VVN2627WSOB00257), सहायक अभियंता (पवर), कवर के अंतर्गत 132 KV GSS एरखोदा से विभिन्न 33/11 KV सब-स्टेशन और 33 KV लाइनों तक 04, 33 KV इंटरकनेक्शन का निर्माण कार्य करने हेतु (टीएन-13/2026-27)। (UBN: VVN2627WSOB00258) योग्य निविदादाता सम्पूर्ण निविदा सम्बन्धित दस्तावेज ई-प्रोक्युरमेंट पोर्टल <http://www.eproc.rajasthan.gov.in> पर दिनांक 01.08.2026 से डाउनलोड कर सकते है। निविदाएं ऑनलाइन ई-पोर्टल पर दिनांक 10.08.2026 को सांय 05:00 बजे तक ही स्वीकार की जायेगी। निविदा सम्बन्धी जानकारी, कार्य का विवरण इत्यादि जयपुर विद्युत वितरण निगम की वेबसाईट <http://energy.rajasthan.gov.org/jvvn/>, <http://www.sppp.rajasthan.gov.in> & <http://www.eproc.rajasthan.gov.in> से प्राप्त की जा सकती है।

राज.संवाद/सी/26/8028

ज्येष्ठार-3198 (2026) सहायक मुख्य अभियंता (सीट नगल)
किशोरी किशनगंज के लिए एटी एनएच 1800 180 6507

‘पृथ्वीराज नगर में हाईटेंशन लाइन के नीचे पिछले 1० वर्षों में 8०० घर बने कैसे?’

हाईकोर्ट ने 12 अगस्त की अगली सुनवाई पर जेडीए के ज़ोन18-19 में गत दस वर्षों में पदास्थापित रहे प्रवर्तन अधिकारियों की सूची और उनके मौजूदा पद का ब्यौरा मांगा

–चादवेन्द्र शर्मा–

जयपुर, 3० जुलाई। राजधानी जयपुर के पृथ्वीराज नगर में हाईटेंशन लाइन के नीचे 800 से ज्यादा घर और 200 दुकानें बने होने के मामले में राजस्थान हाईकोर्ट ने सख्त नाराजगी जताई है। हाईकोर्ट ने जेडीए के अधिकवक्ता को कहा है कि जेडीए के पीआरएन ज़ोन 18 व 19 में बोते 1० साल में तैनात हुए अफसरों का विवरण और उनके मौजूदा पदस्थापन की जगह भी बताए।

इसके साथ ही अदालत ने जेडीए को कहा है कि वह 12 अगस्त तक शपथ पत्र पेश कर प्रवर्तन अधिकारी का बयान सत्यापित करें कि यहां हाईटेंशन लाइनों के नीचे बड़ी संख्या में अतिक्रमण हो गए हैं। एक्टिंग सीजे एस.पी. शर्मा और जस्टिस भुवन गोयल की खंडपीठ ने यह आदेश साहेब सिंह

■ जेडीए की ओर से अदालत में कहा गया कि, अगली सुनवाई पर अधिकारियों की जानकारी के साथ इन अतिक्रमणों की फोटो सहित जानकारी शपथ पत्र के साथ पेश करेंगे।

■ जेडीए प्रशासन ने माना कि अजमेर रोड से वंदे मातरम् रोड तक करीब डेढ़ किमी. क्षेत्र में हाईटेंशन लाइन कॉरिडोर में 800 मकान व 200 दुकानें बनी हुई हैं, इनमें से 206 लोगों को नोटिस दिया जा चुका है।

की ओर से दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। साहेब सिंह की ओर से अदालत में अधिवक्ता रामरख शर्मा पेश हुए थे।

सुनवाई के दौरान जेडीए के स्थानीय प्रवर्तन अधिकारी गंगाराम अदालत में पेश हुए। उन्होंने बताया कि उन्होंने गत 24 अप्रैल को ही कार्यभार संभाला है। जबकि पृथ्वीराज नगर क्षेत्र

में हाईटेंशन लाइनों के आसपास और उसके नीचे करीब 8०0 मकान और 200 दुकानें बनी हुए हैं।

जेडीए के ज़ोन उपायुक्त की ओर से शपथ पत्र पेश कर कहा गया कि यहां अधिकांश निर्माण 1० साल से भी अधिक पुराने हैं।

जेडीए के अधिवक्ता अमित कुडी ने अदालत को बताया कि करीब 2०6

लोगों को अतिक्रमण हटाने का नोटिस दिया जा चुका है। इसके साथ-साथ मौके पर हुए नए अतिक्रमणों को तत्काल प्रभाव से हटایा जा रहा है। अजमेर रोड से वंदे मातरम् रोड तक करीब डेढ़ किमी एचटी लाइन कॉरिडोर में कराए सर्वे में करीब 8०0 मकान व 200 दुकान प्रभावित पाई गई हैं। मौजूदा प्रवर्तन अधिकारी के कार्यकाल में कोई बड़ा नया अतिक्रमण नहीं हुआ है।

इस पर अदालत ने 1० साल में यहां तैनात प्रवर्तन अधिकारियों की विस्तृत जानकारी मांगते हुए जेडीए को मौजूदा हालात की रिपोर्ट देने को कहा है। जनहित याचिका में अधिवक्ता रामरख शर्मा ने बताया कि दोनों ज़ोन में हाईटेंशन लाइन के दोनों ओर 6० फीट की सेक्टर रोड है। कई लोगों ने यहां 3० फीट तक अतिक्रमण कर लिया है, लेकिन जेडीए ने कोई कार्रवाई नहीं की।

दिल्ली सरकार ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)
आंखों समेत शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आईं।

याचिका में कहा गया है कि पैलेट गन को भले ही कम घातक हथियार बताया जाता हो, लेकिन इससे बड़ी संख्या में घातु के छरें निकलते हैं। इससे आंखों और अन्य महत्वपूर्ण अंगों को गंभीर नुकसान का खतरा रहता है। पैलेट गन का इस्तेमाल संविधान के तहत न्यायसंगत बल प्रयोग की कसौटी पर खरा नहीं उतरता।

आठ जिलों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)
उल्लेखनीय है कि लोक अदालतें विवादों के त्वरित और किफायती समाधान की व्यवस्था है। इसमें आपसी सहमति से निर्णय किए जाते हैं, जिससे आमजन के समय और धन दोनों की बचत होती है।



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने श्रावण मास के प्रथम दिन मुख्यमंत्री निवास स्थित राज राजेश्वरी मंदिर में भगवान शिव की विधिवत पूजा-अर्चना की। इस दौरान उन्होंने प्रदेश की खुशहाली, समृद्धि एवं आमजन के सुखमय जीवन की कामना की।

एक तरफ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की शिकायतें भी नहीं करतीं। इन टिप्पणियों के बाद भारी आक्रोश फैल गया। केरल पुलिस ने मामला दर्ज किया और आरएसएस ने आधिकारिक तौर पर इस बयान से खुद को अलग करते हुए कहा कि ये मोहनदास के निजी विचार हैं तथा संघ ने उनकी निंदा की।

वहीं भाजपा सांसद और अभिनेत्री कंगना रनौत ने सोशल मीडिया पर जेन जेड प्रदर्शनकारियों की आलोचना करते हुए उन्हें “जनरेशन गट” कहा। उन्होंने उनके वीडियो को “उल्टी आने लायक” और “बदसूती से भरा हुआ” बताया तथा उनकी तुलना दंगली फैलाने वाले तिलचट्टों से करते हुए कहा कि विरोध प्रदर्शन करने के बजाय उन्हें चुनाव लड़ना चाहिए।

राजस्थान ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)
सत्र की अधिसूचना जारी होने के साथ ही राजनीतिक और प्रशासनिक गतिविधियां तेज होने की संभावना है।

खड़गे की मनुस्मृति पर टिप्पणी ने राज्यसभा में हंगामा मचाया

खड़गे ने कहा था कि मनुस्मृति ने शिक्षा के क्षेत्र में जातिवाद को बढ़ावा दिया

■ **खड़गे की टिप्पणी पर इतना अधिक विरोध व हंगामा हुआ कि राज्यसभा की बैठक तीन बजे तक स्थगित करनी पड़ी।**

कारण प्रश्नकाल नहीं चल सका, जिसके कारण राज्यसभा की कार्यवाही तीन बजे तक के लिए स्थगित करनी पड़ी।

राज्यसभा में अपने भाषण के दौरान विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे की मनुस्मृति के बारे में की गई

टिप्पणी ने विवाद को बढ़ा दिया। खड़गे ने आरोप लगाया कि मनुस्मृति ने शिक्षा के क्षेत्र में जातिवाद को बढ़ावा दिया है, जिस पर सत्ता पक्ष ने कड़ी आपत्ति जताई।

जैसे ही मल्लिकार्जुन खड़गे ने आरोप लगाया कि मनुस्मृति शिक्षा के क्षेत्र में जातिवाद को बढ़ावा देती है, राज्यसभा में भारी हंगामा मच गया। विपक्षी सांसदों ने सदन में “माफी माफी” के नारे लगाने शुरू कर दिए, वहीं सत्ता पक्ष के सदस्यों ने खड़गे द्वारा की गई टिप्पणियों पर आपत्ति जताई।

इस पर स्पीकर ने कहा कि खड़गे की मनुस्मृति पर की गई टिप्पणियां रिकॉर्ड से हटा दी जाएंगी।

दीपके ने गृह मंत्री ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)
इससे पहले अभिजीत दीपके ने कहा कि जिस तरह शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर हमला किया गया और उनका खून बहाया गया, वह गृह मंत्री अमित शाह के आदेश के बिना संभव नहीं था। दीपके की यह मांग कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा शाह पर प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कार्रवाई का आदेश देने का आरोप लगाते हुए उनके इस्तीफे की मांग करने के एक दिन बाद आई। दीपके ने कहा कि वह राहुल गांधी की मांग का समर्थन करते हैं। उन्होंने कहा, “मैं भी मानता हूं कि अमित शाह को इस्तीफा दे देना चाहिए।”

सीजेपी को विदेशी फंडिंग मिलने के आरोपों को खारिज करते हुए दीपके ने कहा, “यदि गृह मंत्रालय की कमान अमित शाह के हाथ में होने के बावजूद हमें विदेशी फंड मिल रहा है, तो यह भी उनकी विफलता है। फिर आप किस तरह के चाणक्य हैं? ऐसी स्थिति में भी उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए।”

दीपके ने आरोप लगाया कि दिल्ली पुलिस ने प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कार्रवाई को उचित ठहराने के लिए पत्थरबाजी की पूरी घटना की साजिश रची। उनका दावा था कि 20 जुलाई को जंतर-मंतर प्रदर्शन स्थल पर पुलिस एक ट्रक भरकर पत्थर और एक क्षतिग्रस्त वाहन लेकर आई, ताकि यह दिखाया जा सके कि पुलिस की कार्रवाई

हिंसा के जवाब में की गई। उन्होंने कहा, “दिल्ली पुलिस ने ही पत्थरबाजी करवाई। भाजपा के गुंडे आए, उन्होंने पत्थर फेंके और इसका दोष छात्रों पर मढ़ दिया गया।”

दीपके ने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा नेताओं ने उन्हें और उनके परिवार को पार्टी में शामिल होने के लिए धमकाया। उन्होंने कहा, “मुझे धमकी दी गई। मेरे माता-पिता को धमकी दी गई है कि वे मुझे भी भाजपा में शामिल होने के लिए राजी करें। हमें कहा गया कि या तो पार्टी में शामिल हो जाओ, नहीं तो परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहो।”

वहीं, भाजपा नेता केशव उपाध्ये ने दीपके पर पलटवार करते हुए कहा कि यदि उन्हें राहुल गांधी की लाइन पर चलना है तो उन्हें कांग्रेस में शामिल हो जाना चाहिए।

उन्होंने कहा, “वे एक आंदोलन का चेहरा था। भाजपा सरकार ने उनकी मांगें मानते हुए पेपर लीक के खिलाफ कानून बनाया और केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मन् प्रधान का इस्तीफा स्वीकार किया। उन्हें इसका सम्मान करना चाहिए था, लेकिन इसके बजाय वे राजनीति कर रहे हैं। यदि उन्हें राहुल गांधी की लाइन पर चलना है तो उन्हें कांग्रेस में शामिल हो जाना चाहिए।”

भाजपा ने दीपके और उनके परिवार को धमकी दिए जाने के सभी आरोपों से इनकार किया।

सितंबर में प्रधानमंत्री मोदी तीन प्रमुख शिखर सम्मेलनों में शामिल होंगे

इसकी शुरुआत होगी किर्गिस्तान में होने जा रहे एससीओ समिट से, जिसमें शामिल होने प्र.मंत्री मोदी किर्गिस्तान जाएंगे

■ एससीओ (शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गनाइज़ेशन) में चीन, रूस, भारत, ईरान, बेलारूस, पाकिस्तान, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान शामिल हैं।

■ एससीओ समिट के बाद दिल्ली में ब्रिक्स समिट का आयोजन होगा, उसके बाद प्र.मंत्री मोदी न्यूयॉर्क जाएंगे, जहाँ वे यूनाइटेड नेशन्स जनरल असेम्बली को संबोधित करेंगे।

करेगा। इसके बाद, प्रधानमंत्री मोदी न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) में भी संबोधित करेंगे। यह

व्यस्त कार्यक्रम दिखाता है कि अनिश्चित वैश्विक परिस्थितियों के बीच, नई दिल्ली अपने अंतरराष्ट्रीय संपर्क और कूटनीतिक पहुंच को सक्रिय रूप से मजबूत करने पर ध्यान दे रही है।

यह व्यस्त कूटनीतिक कार्यक्रम 31 अगस्त और 1 सितंबर को किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में होने वाले एससीओ शिखर सम्मेलन से

वंदे मातरम् विधेयक लोकसभा से भी पारित

नई दिल्ली, 3० जुलाई। लोकसभा में राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण (संशोधन) विधेयक, 2०26 को शोर-शराबे के बीच गुरुवार को ध्वनिमत से पारित कर दिया गया। यह विधेयक एक दिन पहले ही राज्यसभा से पारित हुआ था। विधेयक का उद्देश्य वंदे मातरम् को राष्ट्रगान के समान कानूनी संरक्षण और सम्मान प्रदान करना है।

सरकार का कहना है कि यह विधेयक भारत की सांस्कृतिक विरासत,

■ यह विधेयक ‘वंदे मातरम्’ को भी राष्ट्रगान के समान कानूनी संरक्षण प्रदान करता है।

राष्ट्रीय एकता और स्वतंत्रता संग्राम की प्रेरणाओं को सशक्त करेगा। गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने आज लोकसभा में विधेयक पर चर्चा का जवाब दिया, जिसके बाद विधेयक पारित कर दिया गया और कार्रवाई की कल तक के लिए स्थगित कर दी गई। राय ने कहा कि यह केवल विधायी संशोधन नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक विरासत, राष्ट्रीय चेतना और स्वतंत्रता संग्राम के आदर्शों के प्रति देश की प्रतिबद्धता है।

रामगढ़ बाँध के बहाव क्षेत्र के सभी एनीकट हटाएं- हाई कोर्ट

हाई कोर्ट ने यह भी निर्देश दिया कि बहाव क्षेत्र में एक भी सबमर्सिबल पंप नहीं होना चाहिए

■ हाई कोर्ट ने राज्य सरकार को शपथ पत्र पेश करके यह बताने को कहा है कि कैचमेंट एरिया में किन लोगों ने अतिक्रमण किए हैं। अदालत ने कैचमेंट एरिया की जमीन और वहाँ बने फार्म हाउस व होटलों का ब्यौरा भी मांगा।

कलेक्टर को 13 अगस्त की रिपोर्ट पेश कर बताने को कहा है कि रामगढ़ बांध में पानी लाने वाली नदियों में पानी बयों नहीं आ पा रहा।

अदालती आदेश के पालन में जयपुर कलेक्टर वीसी के जरिए उपस्थित हुए। महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद ने बहाव क्षेत्र में अतिक्रमण के संबंध में आमेर एसडीओ का शपथ पत्र पेश किया और बताया कि कुल 625 रेफरेंस थे, जिनमें से 4०4 निस्तारित हो चुके हैं और बाकी लंबित चल रहे हैं। जिन केंसों का निस्तारण हो चुका है, उनकी जमीन भी राज्य सरकार में दर्ज हो चुकी है। इसके अलावा, बांध मामले में दो कमेटीयों बनी हुई हैं। एक कमेटी

की 14 व दूसरी की 17 मीटिंग हो चुकी है। इस पर खंडपीठ ने एजी से कहा कि वे शपथ पत्र से संतुष्ट नहीं हैं। ऐसे में आगामी सुनवाई पर राज्य सरकार एक विस्तृत शपथ पत्र पेश कर बताए कि कितने अतिक्रमण हटाए थे और वे किसके थे। इस दौरान न्याय मित्र डॉ. अभिनव शर्मा ने बताया कि रामगढ़ बांध में पानी लाने का मुख्य जरिया बाणगांग नदी है, जो विराटनगर, शाहपुर व अन्य जगहों से होती हुई बांध में पानी लाती है। इसके बहाव क्षेत्र में कई फार्म हाउस, रिसॉर्ट व होटल बन गए हैं और बहाव क्षेत्र में बने एनीकटों के पीछे भी मिट्टी जमा हो गई है, जिससे पानी का बहाव क्षेत्र में फ्लो नहीं रहता।

‘बिना “लोगो” व विज्ञापन वाले कैरीबैग का भुगतान वसूल सकते हैं दुकानदार’

राज्य उपभोक्ता आयोग ने डी-मार्ट रेवन्यू मार्केट लि. बनाम शेखर कुमार स्वर्णकार व कपिल देव सोनी के खिलाफ दायर 2 अपीलों पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिए

■ डी-मार्ट की ओर से अधिवक्ता हेमांग कुमावत ने बताया कि, उनकी नीति भी है कि, अगर उपभोक्ता कैरीबैग नहीं रखना चाहते तो कैरीबैग लौटा दें और भुगतान वापस कर दिया जायेगा। परंतु उपभोक्ताओं ने ना तो यह बैग लौटाया और ना ही दिए जाने की शिकायत की।

सामान डी मार्ट से 25 जुलाई 2०19 को खरीदा था, जब उन्होंने सामान लिया तो एक कैरीबैग भी लिया, जिसका अतिरिक्त शुल्क 6 रुपए डीमार्ट ने उनके बिल में जोड़ा था।

दूसरी ओर कपिल देव सोनी ने 2 अक्टूबर 2०19 को 846.72 रुपए का सामान खरीदा था, उनसे भी 5.5० रुपए कैरीबैग के वसूले गए थे। कपिल देव ने इससे पहले 21 मई 2०19 को जब 728 रुपए का सामान खरीदा था, तब उनसे कैरीबैग के 6 रुपए लिए गए

थे। इन तीनों मामलों में उपभोक्ता ने पहले उपभोक्ता जिला मंच का दरवाजा खटखटाया, जहां से उपभोक्ताओं के पक्ष में फैसला हुआ और तीनों मामलों में डी मार्ट को 3-3 हजार रुपए प्रति मामले के मानसिक उत्पीड़न के बदले और 2000 रुपए कानूनी खर्च के लिए भुगतान के आदेश दिए थे। आदेश 30 जून 2०25 को दिया गए थे।

जिला उपभोक्ता मंच के इस फैसले के विरोध में डी-मार्ट की ओर से राज्य उपभोक्ता आयोग में अपील की गई,

जहां उपभोक्ता आयोग को बताया गया कि जो कैरीबैग उपभोक्ताओं को दिए गए थे, उनमें कोई विज्ञापन लोगो नहीं थे, बल्कि एक बार कोड था, जिस पर बैग की कीमत अंकित थी। डी-मार्ट की ओर से यह भी बताया गया कि उनकी नीति भी है कि अगर उपभोक्ता कैरीबैग नहीं रखना चाहते तो कैरीबैग लौटा दें और भुगतान वापस कर दिया जायेगा। परंतु उपभोक्ताओं ने ना तो यह बैग लौटाया और न यह शिकायत दी थी कि उन्हें जबरन यह कैरीबैग क्यों दिया जा रहा है।

इस पर राज्य उपभोक्ता आयोग ने कानून को देखते हुए फैसला दिया है कि दुकानदार, उपभोक्ताओं से कानूनी तौर पर उन “कैरीबैग” का भुगतान ले सकता है, जिन पर कोई विज्ञापन अथवा किसी कंपनी का “लोगो” नहीं छपा हुआ हो।

मध्य प्रदेश ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)
बताया कि एडीशनल इंस्पेक्टर जनरल ऑफ पुलिस के पद पर तैनात अभियुक्त अनिल मिश्रा उसके व्यवसाय से जुड़े हुए हैं और वह उनसे जाकर मिले। इस दौरान मार्च माह में वह भोपाल जाकर अभियुक्त से मिली। अभियुक्त ने पति की मदद का प्रलोभन देकर ऑफिसर मैस में उसके साथ दुष्कर्म किया। इसके अलावा, अभियुक्त ने उससे कई बार अपने बैंक खाते में रुपए भी ट्रांसफर कराए। इसके साथ ही अभियुक्त ने उसके साथ जोधपुर और मुम्बई सहित अन्य जगहों में ले जाकर दुष्कर्म किया। अप्रैल, 2०14 में अभियुक्त ने उसकी नाबालिग बेटी के साथ भी अश्लीलता की।

ऐसा लगता है, ईरान ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)
व्यक्त किया था और संभवतः यही ईरान की हालिया कार्रवाइयों की सबसे बड़ी वजह थी। ईरान ने जीपीएस बंद कर होर्मुज स्ट्रेट से गुजर रहे तीन वाणिज्यिक जहाजों पर हमला किया था, जिसके बाद उन्हें कुछ नुकसान हुआ और उन्हें लौटना पड़ा।

वास्तव में, समुद्र के उस पार स्थित अपने पड़ोसी ओमान के साथ ईरान के गहरे मतभेद हैं। ओमान चाहता है कि यह समुद्री मार्ग सभी के लिए खुला रहे, जबकि ईरान उस पर नियंत्रण बनाए रखना चाहता है। इस मुद्दे पर सभी खाड़ी देश ओमान के पक्ष में हैं, क्योंकि यदि स्थायी नियंत्रण ईरान को मिल जाता है, तो उनकी अर्थव्यवस्थाएं ईरान पर निर्भर हो जाएंगी।

दूसरी ओर, ईरान ने होर्मुज पर नियंत्रण को अपनी प्रतिष्ठा और रणनीतिक बढ़त का विषय बना लिया है। युद्ध से पहले यह जलमार्ग सभी देशों के लिए समान रूप से खुला था और हर राष्ट्र को यहाँ से आवागमन का अधिकार प्राप्त था। लेकिन युद्ध के बाद ईरान को यह एहसास हुआ कि वह इस संकरे समुद्री मार्ग पर नियंत्रण स्थापित कर न केवल अपनी कूटनीतिक ताकत बढ़ा सकता है, बल्कि आय का एक स्थायी स्रोत भी हासिल कर सकता है।

यदि यह शक्ति बन सके छिन जाती है, तो यह संदेश जाएगा कि ईरान

अमेरिका और अन्य क्षेत्रीय शक्तियों के सामने झुक गया। विशेष रूप से इसे सऊदी अरब के प्रति रियायत के रूप में देखा जाएगा, जो प्रमुख सुन्नी पावर है और सबसे बड़े शिया राष्ट्र ईरान का प्रमुख प्रतिद्वंद्वी भी यह वैचारिक और सामरिक विभाजन इतना गहरा है कि इसे आसानी से पाटा नहीं जा सकता।

ऐसे में, कई दिनों से जारी संघर्ष के बाद अमेरिका का दबाव ईरान पर लगातार बढ़ता जा रहा है। उसके सैन्य संसाधन और हथियारों का भंडार भी तेजी से घट रहा है।

अमेरिका के तीव्र होते हमले ईरान पर भारी दबाव डाल रहे हैं, चाहे ईरानी नेतृत्व कितनी भी दृढ़ता का प्रदर्शन करने की कोशिश करे।

इन कठिन परिस्थितियों में ईरान अकेले ही कई दिशाओं से शत्रुतापूर्ण कार्रवाइयों का सामना कर रहा है। पूर्ण अंतरराष्ट्रीय समुदाय इस बात के पक्ष में दिखाई देता है कि होर्मुज ईरान की पकड़ से मुक्त हो जाए।

यदि अपेक्षाकृत शांत अवधि के बाद इजरायल एक बार फिर नई सैन्य शक्ति और नई रणनीति के साथ मोर्चा खोलता है, तो यह ईरान के लिए निर्णायक मोड़ साबित हो सकता है। ऐसी स्थिति में ईरान के लिए इजरायल की सैन्य कार्रवाइयों का पहले की तरह प्रभावी ढंग से जवाब देना संभवतः कठिन होगा।